RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-11 अंक:277 ता. 30 अप्रेल 2023, रविवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

बृजभूषण सिंह पर एफआईआर के बाद दिल्ली पुलिस ने जंतर-मंतर पर बिजली-पानी काटा, बजरंग पूनिया का दावा

पूनिया ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के दबाव में ही WFI अध्यक्ष ब्रृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। जब तक न्याय नहीं मिलता हम लोग यही रहेंगे चाहे पुलिस प्रशासन हम पर कितना भी अत्याचार करे।

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ महिला पहलवालों के साथ दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना दे रहे बजरंग पूनिया ने दिल्ली पुलिस पर भी परेशान करने का आरोप लगाया है। उनका दावा है कि दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण पर एफआईआर दर्ज करने के बाद प्रदर्शन रहे पहलवानों को जंतर-मंतर से हटाने के लिए धरनास्थल के बिजली-पानी भी काट दिए हैं। बजरंग पूनिया ने कहा कि पुलिस प्रशासन यहां पर पानी नहीं लाने दे रहा है, खाना नहीं लाने दे रहा है और उन्होंने यहां की बिजली भी काट दी है। हमने कुछ सामान मंगाया था, लेकिन वो उसे भी यहां पर लाने नहीं दे रहे हैं और सामान लाने वाले को बाहर ही मारपीट कर भगा दे रहे हैं। किसी को कोई भी सामान अंदर नहीं लाने दे रहे हैं। पुलिस हमारे साथ ऐसा बर्ताव कर रही है। वो कह रहे हैं

कि अगर आपको धरना करना है तो सड़क पर सो जाओ। इनके ऊपर आज ऐसा कौन-सा दबाव आ गया है, आज से पहले इतनी दिक्कत नहीं थी।

पहलवान बजरंग पूनिया ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के दबाव में ही WFI अध्यक्ष ब्रृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। जब तक न्याय नहीं मिलता हम लोग यही रहेंगे चाहे पुलिस प्रशासन हम पर कितना भी अत्याचार करे।

वहीं, एक अन्य पहलवान सत्यव्रत कादियान ने कहा कि ये अच्छी बात है कि एफआईआर दर्ज कर ली गई है। एफआईआर से हमें क्या मिलेगा? एफआईआर से थोड़ी न्याय मिलता है? दिल्ली पुलिस को पहले ही दिन एफआईआर दर्ज कर लेनी चाहिए थी। अभी तो हमारी ऑन-पेपर लड़ाई शुरू हुई है। हमारी मांग है कि कुश्ती को राजनीति से अलग किया जाए और हमारी महिला पहलवानों का भविष्य सुरक्षित किया जाए।

दिल्ली पुलिस ने बृजभूषण शरण सिंह पर दो एफआईआर दर्ज कीं

महिला पहलवानों द्वारा डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों के संबंध में दिल्ली पुलिस ने कनॉट प्लेस थाने में शुक्रवार को दो एफआईआर दर्ज की हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पहली एफआईआर एक नाबालिग द्वारा लगाए गए आरोपों से संबंधित है, जिसके तहत यौन अपराधों से बाल संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम समेत भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की प्रासंगिक धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। वहीं, दूसरी एफआईआर शील भंग से संबंधित आईपीसी की धाराओं के तहत वयस्क शिकायतकर्ताओं की शिकायतों की गहन जांच के लिए दर्ज की गई है।

रिजल्ट आने के 48 घंटे में 9 छात्रों ने की आत्महत्या, 2 अन्य अस्पताल में भर्ती

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एग्जामिनेशन द्वारा बुधवार को 11वीं और 12वीं के नतीजे घोषित किए जाने के बाद आंध्र प्रदेश में नौ छात्रों ने आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि दो अन्य छात्रों ने भी आत्महत्या का प्रयास किया है। परीक्षा में करीब 10 लाख छात्र शामिल हुए थे। 11वीं का पास प्रतिशत 61 और 12वीं का 72 फीसदी रहा। आंध्र प्रदेश बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एग्जामिनेशन ने जैसे ही बुधवार को रिजल्ट जारी किया। 48 घंटे के भीतर 9 छात्रों ने मौत को गले लगा लिया। जबकि, दो ने आत्महत्या का प्रयास किया। खबरों के मुताबिक बी तरुण (17) ने श्रीकाकुलम जिले में एक ट्रेन के सामने कूदकर आत्महत्या कर ली। जिले के दांदू गोपालपुरम गांव का रहने वाला इंटरमीडिएट प्रथम वर्ष का छात्र ज्यादातर पेपर में फेल होने के बाद मायूस बताया जा रहा था।

विशाखापट्टनम में छात्रा समेत दो ने किया सुसाइड

उधर, मलकापुरम थाना क्षेत्र के अंतर्गत त्रिनादपुरम में एक 16 वर्षीय लड़की ने अपने घर में आत्महत्या कर ली। वह विशाखापत्तनम जिले की रहने वाली हैं। एक अखिलश्री इंटरमीडिएट प्रथम वर्ष के कुछ विषयों में असफल होने के बाद कथित तौर पर परेशान थी।

दूसरी ओर एक और 18 वर्षीय युवक ने विशाखापत्तनम के कंचारपालम इलाके में अपने आवास पर फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। वह इंटरमीडिएट के दूसरे वर्ष में एक विषय में फेल हो गया था।

बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री को जेल में होना चाहिए, तेजप्रताप के बाद आरजेडी के जगदानंद सिंह का हमला

पटना। बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री के बिहार दौरे पर सियासत गर्मा गई है। वन एवं पर्यावरण मंत्री तेजप्रताप के बाद अब आरजेडी प्रदेशाध्यक्ष जगदानंद सिंह ने भी कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री पर हमला बोला है। जगदानंद ने कहा कि धीरेंद्र शास्त्री जैसे लोगों को जेल में रहना चाहिए। अफसोस है कि वे बाहर हैं। ये लोग संत परंपरा को खराब कर रहे हैं। इससे पहले मंत्री तेजप्रताप ने धीरेंद्र शास्त्री को चेतावनी देते हुए कहा था कि अगर बागेश्वर बाबा हिंदू-मुस्लिम करेंगे तो उन्हें बिहार से वापस लौटना पड़ेगा।

आरजेडी प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने शुक्रवार को कहा कि बाबा बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री जैसे लोगों को जेल में रहना चाहिए। अफसोस की बात है कि वो बाहर हैं। जिसको मन करता है वही बाबा बन जाता है। संत परंपरा को खराब किया जा रहा है। जगदानंद ने बीजेपी पर भी उन्माद बढ़ाने और समाज में तनाव पैदा करने का आरोप लगाया।

इससे पहले वन एवं पर्यावरण मंत्री तेजप्रताप यादव ने भी बागेश्वर बाबा को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि धीरेंद्र शास्त्री को बिहार आने है तो स्वागत है, लेकिन अगर हिंदू-मुस्लिम को लड़वाने का काम करेंगे तो वापस लौटना पड़ेगा। तेजप्रताप ने यह भी कहा कि वे धीरेंद्र शास्त्री का पटना एयरपोर्ट पर घेराव करेंगे।

बता दें कि पटना के पास नौबतपुर के तेरत गांव में 13 से 17 मई के बीच धीरेंद्र शास्त्री का दरबार लगेगा। पहले यह कार्यक्रम पटना के गांधी मैदान में आयोजित होना था, मगर प्रशासन की ओर से वहां अनुमति नहीं मिली। बाबा बागेश्वर धाम के दरबार में लाखों लोगों के आने का अनुमान जताया जा रहा है। पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने भोजपुरी में संदेश देते हुए लोगों से दरबार में आने की अपील की है।

राहुल गांधी के कहने पर यूपीएससी की तैयारी छोड़ बन गईं विधायक

अब ईडी के रडार पर कांग्रेस एमएलए अंबा प्रसाद

रांची। झारखंड में ईडी भ्रष्टाचार के मामलों में एक के बाद एक कद्दावर नेताओं और अधिकारियों पर शिकंजा कस रही है। अब प्रवर्तन निदेशालय के रडार पर बड़कागांव की कांग्रेस विधायक अंबा प्रसाद आ गई हैं। कांग्रेस विधायक के खिलाफ ईडी के रांची जोनल आफिस में मनी लॉन्ड्रिंग की शिकायत की गई थी। शिकायत के आधार पर ईडी के डिप्टी डायरेक्टर स्तर के अधिकारी ने पुलिस से अंबा के खिलाफ दर्ज सारे एफआईआर की जानकारी मांगी थी। ईडी ने पूछा था कि अंबा खिलाफ प्रिडिकेटिव आफेंस का कोई केस दर्ज है या नहीं। ईडी के पत्राचार के बाद पुलिस ने विधायक के खिलाफ दर्ज कांडों की सूची ईडी को सौंप दी है। अंबा प्रसाद के खिलाफ जिन जिन कांडों की सूची भेजी गई है वे केरेडारी, बड़कागांव व कटकमदाह में दर्ज हैं। केरेडारी

कांड संख्या 37/18 में अंबा प्रसाद समेत पांच छह लोगों को आरोपी बनाया गया था। इस केस में पुलिस ने चार्जशीट दायर कर दी है। वहीं, बड़कागांव की कांड संख्या 113/21 में अंबा समेत 11 नामजद पर केस दर्ज है। ईडी को बताया गया है कि इस केस की जांच हो रही है। कटकमदाग थाना का केस 96/21 में विधायक को आरोपी बनाया गया है। इसकी भी छानबीन चल रही है। कटकमदाग में ही दर्ज कांड संख्या 217/21 में विधायक समेत चार नामजद हैं। ईडी सूत्रों के मुताबिक, कांड की समीक्षा के बाद तय होगा कि ईडी किसी केस को टेकओवर करेगी या नहीं। हालांकि फिलहाल ईडी ने इनमें से किसी कांड में ईसीआईआर दर्ज नहीं किया है।

कांग्रेस विधायक अंबा प्रसाद ने इस मामले में कहा, फिलहाल मैं कुछ भी प्रतिक्रिया नहीं दे सकती हूं। मुझे इसकी कोई जानकारी नहीं है। श्रष्ठ क्या कार्रवाई कर रही है और क्यों कर रही है इस बात की मुझे जानकारी नहीं है। जब कोई नोटिस या लिखित आदेश मिलेगा तब देखा जाएगा। बता दें, बड़कागांव से कांग्रेस MLA अंबा प्रसाद का नाम अक्सर सुर्खियों में रहता है। उनके माता और पिता दोनों इसी सीट से विधायक रह चुके हैं।

जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात सामान्य, मुगल रोड बर्फबारी के कारण बंद

जम्मू। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर आज (शनिवार) यातायात सामान्य है। मुगल रोड बर्फबारी के कारण यातायात के लिए बंद है। जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुबह 6 बजे से हल्के वाहनों को जम्मू से श्रीनगर तथा श्रीनगर से जम्मू की ओर रवाना किया जा रहा है। इन वाहनों के गुजरने के बाद भारी वाहनों को श्रीनगर से जम्मू की ओर रवाना किया जाएगा। आखिर में सुरक्षा बलों के वाहनों को जाने की अनुमति दी जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि तय समय के बाद किसी भी वाहन को राजमार्ग पर आवाजाही की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस दौरान मुगल रोड से बर्फ हटाई जा रही है। यहां गुरुवार को ताजा बर्फबारी हुई है।

नोएडा मेट्रो के इन 5 और स्टेशनों पर 1 मई से मिलेगी पार्किंग सुविधा, देखें कितनी लगेगी फीस

नोएडा। नोएडा-ग्रेटर नोएडा के बीच चलने वाली एक्वा लाइन मेट्रो के पांच और स्टेशनों पर सोमवार 1 मई से पार्किंग की सुविधा शुरू हो जाएगी। अभी तीन स्टेशन पर पार्किंग चल रही है। इस लाइन पर कुल 21 स्टेशन हैं। नोएडा मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (एनएमआरसी) अभी अपने कर्मचारियों से ही पार्किंग संचालित करवाएगा। पार्किंग में गाड़ियों की संख्या बढ़ने पर एनएमआरसी टेंडर जारी करेगा।

यहां मिलेगी पार्किंग सुविधा

एनएमआरसी अधिकारियों ने बताया कि इस लाइन के सेक्टर-51, 137 और डेल्टा-1 पर पार्किंग की सुविधा है। अब इसी लाइन के सेक्टर-76, एनएसईजेड, सेक्टर-142, परी चौक और सेक्टर

अल्फा वन पर पार्किंग की सुविधा शुरू करने का निर्णय लिया गया है। यह सुविधा एक मई यानि सोमवार से शुरू हो जाएगी। ऐसे में कुल आठ स्टेशन पर पार्किंग लोगों को मिलने लगेगी। हर स्टेशन पर 200 से 300 वाहनों की पार्किंग की जगह है।

अधिकारियों ने बताया कि डीएमआरसी की तरह अंदर-बाहर विज्ञापन से अटी हुई नोएडा-ग्रेनो मेट्रो नजर आएगी। इसे रैपिंग विज्ञापन नाम दिया गया है। एनएमआरसी ने इसके लिए टेंडर निकाला है। इससे राजस्व में वृद्धि होगी।

बढ़ रहीं सुविधाएं

इस लाइन का शुभारंभ 25 जनवरी 2019 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया था। अगले दिन से लोगों के लिए मेट्रो की सुविधा मिलनी शुरू हुई थी। एनएमआरसी अधिकारियों ने बताया कि सवारियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए सेक्टर-51 पर ऑटोमेटिक फेयर कलेक्शन गेट बढ़वा दिए गए हैं। सुरक्षा के लिए एक्सरे बैग मशीन भी बढ़ाई गई हैं।

वाहनों के लिए पार्किंग फीस

स्कूटर-बाइक

06 घंटे के लिए-15 रुपये

6 से 12 घंटे के लिए-25 रुपये

सुबह 5 से रात 11 बजे तक- 30 रुपये

मासिक पास-500 रुपये

कार-टैक्सी के लिए

6 घंटे के लिए-25 रुपये

6 से 12 घंटे के लिए-50 रुपये

सुबह 5 से रात 11 बजे तक-55 रुपये

मासिक पास-1100 रुपये

रेस्टोरेंट की सुविधा जल्द शुरू होगी

सेक्टर-137 मेट्रो स्टेशन पर मेट्रो के अंदर खानपान की सुविधा जल्द शुरू होगी। एनएमआरसी ने इसके लिए मॉक अप-मेट्रो ट्रेन तैयार की हुई है। रेस्टोरेंट शुरू करने के लिए सिटी सुपरमार्ट कंपनी का चयन भी किया जा चुका है।

दिल्ली को मिलने जा रही नई रफ्तार, दिसंबर तक 4 नए पुल और 2 अंडरपास हो जाएंगे तैयार

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में विकास कार्य जोरों पर पर है और दिसंबर तक चार नए पुल और दो अंडरपास यातायात के लिए खोल दिए जाएंगे। इससे कई रास्तों पर यातायात सुगम होगा। दिल्ली की लोक निर्माण मंत्री आतिशी ने शुक्रवार को विभागीय अधिकारियों के साथ प्रोजेक्ट की समीक्षा बैठक के बाद यह बात कही। इस दौरान उन सभी अंडरपास और फ्लाईओवर पर चर्चा की गई, जिनका निर्माण और मरम्मत कार्य चल रहा है।

आतिशी ने बताया कि फिलहाल करीब 24 फ्लाईओवर की मरम्मत का कार्य चल रहा है, जिसे समय से पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। बैठक में मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वर्तमान में चल रहे प्रोजेक्ट की हर माह समीक्षा की जाए। साथ ही हर माह प्रोजेक्ट के हिसाब से प्रगति रिपोर्ट बनाकर उपलब्ध कराएं। सरकार का लक्ष्य सभी प्रोजेक्ट पर तेजी से काम पूरा करने का है, जिससे कि लोगों को यातायात में असुविधा न हो। दिसंबर तक यातायात के लिए जिन अंडरपास और फ्लाईओवर को खोला जाना है, उनमें सराय काले खां टी-जंक्शन फ्लाईओवर, पंजाबी बाग से राजा गार्डन तक के फ्लाईओवर का दोहरीकरण व विस्तार शामिल है।

भैरों मार्ग-रिंग रोड अंडरपास : यह जुलाई तक तैयार हो जाएगा। इसके खुलने पर भैरों मार्ग से रिंग रोड के रास्ते गाजियाबाद, नोएडा और पूर्वी दिल्ली आना-जाना आसान हो जाएगा।

मुकरबा चौक अंडरपास : मुकरबा चौक पर बादली से हैदरपुर जाने की दिशा में अंडरपास बन रहा है। अंडरपास बनने के बाद वाहनों को

लगभग 1.5 किमी कम दूरी तय करना पड़ेगी। इससे वाहन चालकों को बड़ी राहत मिलेगी।

कई प्रोजेक्ट जुलाई में ही पूरे होने की उम्मीद

1. आनंद विहार और अप्सरा बॉर्डर फ्लाईओवर : आनंद विहार आरओबी और अप्सरा बॉर्डर आरओबी के बीच छह लेन फ्लाईओवर बन रहा है। इससे रामप्रस्थ कॉलोनी, विवेक विहार और श्रेष्ठ विहार रेड लाइट पर लगने वाले ट्रैफिक जाम खत्म होगा।

2. सराय काले खां टी-जंक्शन पुल :

यह जुलाई तक बनेगा। इससे से टी-जंक्शन सिग्नल फ्री हो जाएगा। रिंग रोड होते हुए डीएनडी और आश्रम जाने वाले वाहनों को लाभ होगा।

3. पंजाबी बाग से राजा गार्डन तक के पुल : इस प्रोजेक्ट के तहत पंजाबी बाग स्थित दोनों सिंगल फ्लाईओवर को डबल किया जा रहा। दिसंबर तक प्रोजेक्ट का काम पूरा होगा।

4. करावल नगर, घोंडा-बृजपुरी जंक्शन पर डबल डेकर फ्लाईओवर : उत्तरी-पूर्वी दिल्ली में यमुना विहार व भजनपुरा के बीच 1.4 किमी लंबे डबल-डेकर फ्लाईओवर का निर्माण चल रहा है। निचला डेक पीडब्ल्यूडी फ्लाईओवर होगा, जबकि ऊपरी डेक पर मेट्रो लाइन होगी।

सरकार ने गुजरात हाईकोर्ट में माना – पुलिस विभाग में 22000 जगह खाली

अहमदाबाद । गुजरात सरकार ने हाईकोर्ट में हलफनामा दाखिल कर स्वीकार किया है कि राज्य के पुलिस विभाग में 22 हजार जितने पद रिक्त पड़े है। साथ ही यह भी बताया कि रिक्त पदों पर भर्ती की प्रक्रिया चल रही है। दरअसल पुलिस से संबंधित मामलों को लेकर सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक हाईकोर्ट ने सुओमोटो याचिका पर सुनवाई की। हाईकोर्ट के कड़े रुख के बाद गुजरात सरकार ने हलनाफ नामा दाखिल किया, जिसमें कहा गया है कि राज्य के पुलिस विभाग में 21.3 प्रतिशत पद रिक्त हैं। 96194 रिक्त पदों में से 73000 पर भर्ती की गई है और शेष 22 हजार जगह रिक्त है। राज्य के स्टेट रिजर्व फोर्स में भी कुल 4000 पद रिक्त हैं। अपने हलफनामे में गुजरात सरकार ने हाईकोर्ट को बतायाकि रैली, जुलूस और सभा के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। याचिकाकर्ता की मांग पर हाईकोर्ट ने रैली, जुलूस और सभा के बारे में अधिसूचना मीडिया में जारी करने का आदेश दिया है। साथ ही आगामी अगस्त तक अतिरिक्त हलफनामा दाखिल करने का गुजरात सरकार को आदेश दिया है। हाईकोर्ट इस मामले पर अगली सुनवाई 21 अगस्त को करेगी। बता दें कि गुजरात के पुलिस विभाग में रिक्त पदों को लेकर पिछले काफी समय से कोई कार्यवाही नहीं किए जाने पर हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की गई थी। गत 9 मार्च को याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने गुजरात सरकार से कई सवाल किए थे। इसका जवाब देते हुए सरकार ने बताया कि पुलिस विभाग में रिक्त जगहों पर भर्ती करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और जल्द ही इसे पूर्ण कर लिया जाएगा।

भाजपा विधायक हार्दिक पटेल को सुप्रीम कोर्ट से मिली बड़ी राहत

अहमदाबाद । विरमगाम से भाजपा विधायक हार्दिक पटेल को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2015 के दौरान गुजरात में हुए दंगों के मामले में हार्दिक पटेल की नियमित जमानत मंजूर कर ली है। 2015 में पाटीदार आरक्षण आंदोलन के गुजरात में हिंसा भड़क उठी थी। इस मामले में निचली अदालत ने हार्दिक पटेल को दोषी करार देते हुए दो साल की सजा सुनाई थी। वर्ष 2019 में लोकसभा चुनाव के दौरान हार्दिक पटेल ने अपनी सजा पर रोक लगाने की मांग करते हुए गुजरात हाईकोर्ट में अपील की थी। हालांकि गुजरात हाईकोर्ट ने हार्दिक पटेल की याचिका खारिज कर दी थी। जिसके बाद हार्दिक पटेल ने सुप्रीम कोर्ट के द्वार खटखटाए। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने हार्दिक की याचिका पर तुरंत सुनवाई करने से इंकार कर दिया था। हार्दिक की अपील थी कि उसकी सजा रद्द की जाए। सुप्रीम कोर्ट ने सजा तो रद्द नहीं की परंतु हार्दिक पटेल की सजा पर उस वक्त तक रोक लगा दी जब तक पाटीदार आंदोलन के दौरान गुजरात में हुए दंगे, आगजनी के मामलों पर फैसला नहीं आ जाता। उसी मामले में अब सुप्रीम कोर्ट ने हार्दिक पटेल की नियमित जमानत को मंजूरी दे दी है।

जल मेट्रो के संचालन के दूसरे दिन 7,000 से अधिक यात्रियों ने सवारी

कोच्चि । देश की पहली और केरल की महत्वाकांक्षी कोच्चि जल मेट्रो के संचालन के दूसरे दिन उसके दो चालू मार्गों पर 7,000 से अधिक यात्रियों ने सवारी की। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 25 अप्रैल को मेट्रो सेवा का लोकार्पण किया था। कोच्चि जल मेट्रो सेवा का व्यावसायिक संचालन केरल उच्च न्यायालय से वाइपिन तक के एकल मार्ग पर बुधवार को शुरू हुआ था और उस दिन 6,559 लोगों ने इससे यात्रा की थी। दूसरे दिन वायटिला से कक्कनाड तक दूसरे मार्ग पर भी इसका संचालन शुरू किया गया। कोच्चि जल मेट्रो लिमिटेड (केडब्ल्यूएमएल) ने बताया कि दोनों मार्गों पर दूसरे दिन कुल यात्रियों की संख्या 7,039 रही। वायटिला से कक्कनाड मार्ग पर यात्रा करने वाले 'इंफोपार्क' के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुशांत कुरुंथिल के हवाले से बताया गया, ''कर्मचारी अंतिम गंतव्य तक संपर्क की सुविधा मुहैया होने के मद्देनजर अब काम पर जाने के लिए जल मेट्रो को प्राथमिकता दे सकते हैं। उन्होंने कहा, वे जल मेट्रो की आरामदायक सवारी करते हुए प्राकृतिक सुंदरता का आनंद ले सकते हैं और तरोताजा दिमाग के साथ अपने कार्यस्थल तक पहुंच सकते हैं।'' केडब्ल्यूएमएल ने कहा कि कक्कनाड जल मेट्रो टर्मिनल से इन्फोपार्क तक फीडर ऑटो और केरल राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) फीडर बसों की सुविधा उपलब्ध है। वायटिला-कक्कनाड मार्ग पर टिकट की कीमत 30 रुपये है, जबकि उच्च न्यायालय-वाइपिन मार्ग पर यह 20 रुपये है। बंदरगाह शहर कोच्चि में 1,136.83 करोड़ रुपये की लागत वाली यह परियोजना 78 इलेक्ट्रिक नौकाओं और 38 टर्मिनल का उपयोग करके 10 द्वीप को जोड़ेगी। पर्यावरण के अनुकूल नौकाएं आठ से दस समुद्री मील की गति से प्रस्तावित 76 किलोमीटर लंबे मार्गों पर यात्रा करेंगी। प्रत्येक नौका में 100 लोग यात्रा कर सकते हैं।

इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बम की धमकी देने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली । दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बम रखने की फर्जी धमकी देने के आरोप में यूपी के 20 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि सोमवार को आईजीआई हवाई अड्डा पुलिस थाने को एक व्यक्ति ने फोन किया था। फोन करने वाले व्यक्ति ने दावा किया कि हवाई अड्डे पर बम रखा हुआ है। इसके चार दिन बाद यह गिरफ्तारी की गई। अधिकारी ने बताया कि फोन आने के बाद हवाई अड्डे की गहन तलाशी ली गई, लेकिन कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। उन्होंने बताया कि इसके बाद कॉल को अफवाह घोषित किया। उन्होंने बताया कि जब पुलिस ने उस नंबर पर फोन किया जिस नंबर से फोन आया था, तब वह फोन नंबर बंद पाया गया। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि फोन उत्तर प्रदेश से किया गया था और जिस नंबर से कॉल आई थी, वह हापुड़ निवासी जाकिर के नाम पर पंजीकृत था।

ऑपरेशन कावेरी के तहत और 56 लोग सूडान से लौटे गुजरात, गृह मंत्री ने किया स्वागत

अहमदाबाद । सूडान में गृह युद्ध के बीच फंसे भारतीयों को सुरक्षित स्वदेश लाने के लिए भारत सरकार ने ऑपरेशन कावेरी शुरू किया है और इसके तहत अब तक सैंकड़ों लोगों का लाया चुका है। ऑपरेशन कावेरी के तहत सूडान से और 56 लोगों को सुरक्षित लाया गया है। गुजरात के 56 लोग शुक्रवार तड़के मुंबई होते हुए अहमदाबाद पहुंचे। सूडान से लौटे गुजरातियों को अहमदाबाद के सर्किट हाउस में ठहराया गया था। जहां गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने सूडान से लौटे गुजरातियों का गुलाब का फूल देकर स्वागत किया। इस मौके पर हर्ष संघवी ने कहा कि अब भी जो गुजराती सूडान में फंसे हुए हैं, उन्हें सकुशल वापस लाने के लिए भारत सरकार के साथ गुजरात सरकार लगातार प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि सूडान से लौटे 56 गुजरातियों को उनके गृहनगर पहुंचाने की राज्य सरकार ने सभी तैयारियां कर ली हैं। इस मौके पर सूडान से लौटे गुजरातियों ने अपनी वेदना भी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि सूडान में प्रतिद्वंद्वी बलों के बीच संघर्ष के कारण जीवन बहुत कठिन हो गया था, भोजन और पानी की किल्लत हो गई। चोरी, हत्या और लूटपाट की घटनाएं हो रही थीं। भारत सरकार हमें सुरक्षित मौत के मुंह से निकाल लाई। इसके लिए गुजरात सरकार और भारत सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। सूडान से लौटे 56 लोगों में सबसे अधिक राजकोट जिले के हैं। जबकि अन्य लोग गांधीनगर, आणंद और वडोदरा के हैं।

पूछताछ करने सत्यपाल मलिक के घर पहुंची सीबीआई

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) 60 करोड़ के कथित रिश्वत मामले में जम्मू-कश्मीर के पूर्व उपराज्यपाल सत्यपाल मलिक के घर पहुंची है। मामला एक स्वास्थ्य बीमा योजना से संबंधित है, जिसे कथित रूप से आगे बढ़ाने के लिए कहा गया था, लेकिन जब वह जम्मू और कश्मीर के तत्कालीन राज्य के राज्यपाल थे, तब रद्द कर दिया गया था। मलिक ने दावा किया था कि 23 अगस्त, 2018 और 30 अक्टूबर, 2019 के बीच राज्यपाल के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान दो फाइलों को मंजूरी देने के लिए उन्हें 300 करोड़ रुपये रिश्वत की पेशकश की गई थी। सीबीआई की टीम उनके बयान दर्ज करने और अन्य जानकारी जुटाने के लिए उनके घर पहुंची है। पिछले साल सीबीआई ने इस संबंध में मामला दर्ज कर छह राज्यों में छापेमारी की थी। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई शुक्रवार को केंद्र शासित प्रदेश में कथित बीमा घोटाले की जांच के सिलसिले में मलिक से पूछताछ करेगी। उन्होंने कहा कि सीबीआई की एक टीम राष्ट्रीय मलिक के सोम विहार आवास पर उनके दावों पर स्पष्टीकरण लेने के लिए सुबह करीब 11.45 बजे पहुंची।

'धर्म के आधार पर आरक्षण संवैधानिक रूप से गलत',
कांग्रेस भ्रष्टाचार, कमीशन और भाई-भतीजावाद की फैक्ट्री: नड्डा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक चुनाव को लेकर प्रचार अब जोर पकड़ने लगा है। भाजपा ने चुनाव प्रचार में अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। इसी कड़ी में पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा भी लगातार राज्य में भाजपा के लिए चुनाव प्रचार कर रहे हैं। मधुगिरि में चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने एक बार फिर से आरक्षण को लेकर कांग्रेस पर वार किया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि धर्म के आधार पर आरक्षण देना संवैधानिक दृष्टि से गलत है। इसक साथ ही उन्होंने कांग्रेस से सवाल भी किया। उन्होंने पूछा कि आप अगर धार्मिक आधार पर आरक्षण देंगे तो किसका आरक्षण लेंगे लिंगायत का, सुप्रीम कोर्ट का या वोकालिंगा का? उन्होंने कहा कि हमारे सुप्रीम कोर्ट भाईयों को 2प्र. अतिरिक्त आरक्षण दिया गया, आदिवासी भाईयों को 4प्र. का अतिरिक्त आरक्षण मिला, वोक्कालिगा को 2प्र. का आरक्षण मिला, लिंगायत भाईयों को 2प्र. का आरक्षण मिला।

नड्डा ने कहा कि आज सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार कह रहे हैं कि हम ये आरक्षण वापस लेंगे और धर्म के आधार पर आरक्षण देंगे। धर्म के आधार पर आरक्षण संवैधानिक रूप से गलत है। इसके साथ ही उन्होंने का कहा कि ये कर्नाटक के भविष्य का चुनाव है। समय पर सही फैसले करते हैं तो सही परिणाम आते हैं। उन्होंन डबल इंजन सरकार का मतलब भी बताया। उन्होंने कहा कि डबल इंजन का मतलब है, जो नीति मोदी जी भेजते हैं उसे जमीन पर येदियुरप्पा और बोम्मई क्रियान्वित करते हैं, ऐसी सरकार डबल इंजन की सरकार कहलाती है। उन्होंने लोगों से कहा कि याद रखें कि सही समय पर सही निर्णय लेने से सही परिणाम मिलते हैं, अन्यथा परिणाम हमेशा गलत होते हैं।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि जब कांग्रेस और जेडीएस की सरकार थी तब किसान सम्मान निधि में 17 किसानों के नाम भेजे गए थे। आज जब बोम्मई जी की सरकार है तब 50 लाख से अधिक किसानों को 'किसान सम्मान निधि' का फायदा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि डबल-इंजन सरकार ने कर्नाटक में विकास और समृद्धि सुनिश्चित की है। मोदी जी के मजबूत नेतृत्व में सब कुछ संभव हुआ है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पूरी तरह भ्रष्टाचार और घोटालों में डूबी हुई है। डीके शिवकुमार मनी-लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी हैं, वह जमानत पर हैं। ऐसे भ्रष्ट नेताओं को सत्ता न देना सुनिश्चित करें। वे राज्य, देश को नष्ट कर देंगे। उन्होंने रकहा कि कांग्रेस भ्रष्टाचार, कमीशन और भाई-भतीजावाद की फैक्ट्री है। इसलिए 'कमल' को ही चुनो और विकास को चुनो।

मानहानि मामला : राहुल गांधी की याचिका पर गुजरात हाईकोर्ट में सुनवाई 29 अप्रैल को

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की उस अपील पर गुजरात हाईकोर्ट 29 अप्रैल को सुनवाई करेगा, जिसमें मोदी उपनाम वाली टिप्पणी को लेकर आपराधिक मानहानि मामले में उनकी दोषसिद्धि पर रोक नहीं लगाने के सूरत सत्र अदालत के आदेश को चुनौती दी गई है। इस अपील पर उच्च न्यायालय के नए न्यायाधीश सुनवाई करेंगे। राहुल गांधी की अपील पर न्यायमूर्ति हेमंत पी. 29 अप्रैल को सुनवाई करेंगे। इससे पहले 26 अप्रैल को राहुल गांधी के वकील पीएस चंपानेरी ने न्यायमूर्ति गीता गोपी की अदालत के समक्ष मामले का उल्लेख किया था। हालांकि, न्यायमूर्ति गोपी ने खुद को सुनवाई से अलग कर लिया था। गुजरात में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक पूर्णेश मोदी द्वारा दायर 2019 के मामले में सूरत की मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट अदालत ने 23 मार्च को पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 499 और 500 (आपराधिक मानहानि) के तहत दोषी ठहराते हुए दो साल जेल की सजा सुनाई थी। फैसले के बाद गांधी को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के प्रावधानों के तहत संसद की सदस्यता से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। राहुल गांधी 2019 में केरल के वायनाड से लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए थे। सूरत की सत्र अदालत ने कांग्रेस नेता को दोषी ठहराये जाने के फैसले पर रोक लगाने की उनकी अर्जी 20 अप्रैल को खारिज कर दी थी। गांधी इस मामले में फिलहाल जमानत पर हैं।

कर्नाटक चुनाव: राहुल गांधी ने कहा- सरकार बनी तो महिलाओं के लिए सरकारी बसों में मुफ्त यात्रा

– बेरोजगार स्नातकों को प्रति माह 3,000 रुपए तथा डिप्लोमा धारकों को 1,500 रुपए प्रति माह दिए जाएंगे

बेंगलुरु (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने कर्नाटक में पांचवीं चुनावी गारंटी की घोषणा करते हुए राज्य में सार्वजनिक परिवहन की बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा का वादा किया। राहुल गांधी ने 10 मई को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए उडुपी और दक्षिण कन्नड़ जिलों में पार्टी उम्मीदवारों के पक्ष में प्रचार किया। उन्होंने कांग्रेस द्वारा चुनावी गारंटी पूरी नहीं किए जाने के संबंध में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी पर भी निशाना साधा। यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि चार मौजूदा (चुनावी) गारंटी में हम एक और गारंटी जोड़ेंगे। यह महिलाओं के लिए होगी। मोदी जी, ध्यान से सुनिए। कांग्रेस के सत्ता में आते ही पहले दिन पांचवीं गारंटी भी लागू की जाएगी, जिसके तहत पूरे कर्नाटक में महिलाएं सार्वजनिक परिवहन बसों में मुफ्त यात्रा करेंगी।

उन्होंने आरोप लगाया कि आपके लोगों ने 40 फीसदी कमीशन के जरिये कर्नाटक की महिलाओं के पैसे लूटे, ये आपका काम रहा, जबकि हमारा काम कर्नाटक की महिलाओं को राज्य के पैसे का लाभ देना है। इसलिए, कांग्रेस के चुनाव जीतने के तुरंत बाद जब भी आप बसों में किसी महिला से मिलेंगे, तो वे बसों में यात्रा करने के लिए एक रुपया नहीं दे रही होंगी। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस द्वारा घोषित चुनावी 'गारंटी में कहा गया है कि 'गृह ज्योति योजना के तहत हर महीने 200 यूनिट मुफ्त बिजली, 'गृह लक्ष्मी योजना के तहत परिवार की प्रत्येक प्रमुख महिला को 2,000 रुपए प्रति माह, 'अन्न भाग्य के तहत बीपीएल परिवार के प्रत्येक सदस्य को हर महीने 10 किलोग्राम चावल की पेशकश की जाएगी। इसके अलावा 'युवा निधि के तहत बेरोजगार स्नातकों को प्रति माह 3,000 रुपए तथा डिप्लोमा धारकों को दो साल के लिए 1,500 रुपए प्रति माह दिए जाएंगे।

राउत ने कहा स्थानीय लोगों को सरकार पर भरोसा नहीं

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के नेता संजय राउत ने शुक्रवार को कहा कि बारसू में स्थानीय लोगों को महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ शिवसेना-भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर भरोसा नहीं है। मुंबई से लगभग 400 किलोमीटर दूर रत्नागिरी में राजापुर तहसील के बारसू के निवासी कई हजार करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से एक रिफाइनरी-पेट्रोकेमिकल परिसर की स्थापना का विरोध कर रहे हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार ने सरकार को परियोजना का विरोध कर रहे ग्रामीणों से बातचीत करने की सलाह दी थी।

राउत ने पत्रकारों से बातचीत में आरोप लगाया कि बारसू में जमीन खरीदने वाले नेताओं और ''बाहरी लोगों'' के हितों की रक्षा के लिए रिफाइनरी परियोजना को शुरू किया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि सरकार ऐसे लोगों की सूची सार्वजनिक करे। उन्होंने कहा, ''मैंने सुना है कि शरद पवार ने कहा है कि स्थानीय लोगों के साथ बातचीत होनी चाहिए और उन्हें विश्वास में लिया जाना चाहिए। लेकिन उन्हें सरकार पर भरोसा नहीं है।'' पवार ने बुधवार को कहा था कि महाराष्ट्र सरकार को स्थानीय ग्रामीणों से बातचीत करनी चाहिए जो रत्नागिरी जिले में एक रिफाइनरी परियोजना का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा था कि यदि इसके बाद भी समस्या का समाधान नहीं होता है तो वैकल्पिक स्थल की तलाश की जानी चाहिए। राकांपा प्रमुख ने कहा था कि उनकी पार्टी ने कोंकण में विकास परियोजनाओं का विरोध नहीं किया है, लेकिन स्थानीय लोगों की राय जानना जरूरी है।

उत्तर प्रदेश बोर्ड परीक्षा में आनंद शिक्षा निकेतन का रहा शत प्रतिशत परिणाम

संवाददाता लक्ष्मीकांत पाण्डेय। भदोही जनपद के सीतामढी बनकट उपरवार स्थित आनन्द शिक्षा निकेतन के विधार्थियों ने उत्तर प्रदेश बोर्ड परीक्षा में शिव कुमार पाल 94.5% अंक एव श्रेया पाण्डेय 92.17% अंक लाकर आनन्द शिक्षा निकेतन बनकट डीघ उपरवार भदोही का नाम रौशन किया इसी क्रम मे आदित्य यादव ,हर्ष सिंह, पवन कुमार, प्रतिभा यादव,नीरज,आशीष, अतुल कुमार तृषा सिंह, गुलशन यादव,आशुतोष, मनु वर्मा, ॠषि सिंह ,निखिल यादव, प्रवीण भारतीया जैसे विधार्थियों ने भी अपने मेहनत और लगन से अच्छे अंक प्राप्त किया आनंद शिक्षा निकेतन के प्रबंधक अवनीश तिवारी ने कहा कि विगत कई वर्षों से हमारे आनन्द शिक्षा निकेतन के कुशल अध्यापको एव विद्यार्थियों की कडी मेहनत से विद्यालय का भदोही जनपद मे उत्तर प्रदेश बोर्ड परीक्षा में एक अच्छे परिणाम लाकर एक कीर्तिमान स्थापित करने मे सफल रहे मै सभी विद्यार्थियों को उनके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ और आगे भी ऐसे ही सभी के साथ कडी मेहनत सेआनन्द शिक्षा निकेतन विद्यार्थी प्रतिशत परिणाम लाने मे मेहनत करेगे।

उत्तराखंड सरकार ने चारधाम श्रद्धालुओं के लिए 11 भाषाओं में जारी किए दिशा निर्देश

– श्रद्धालुओं को जलवायु अनुकूलन को देखते हुए सात दिन का कार्यक्रम बनाने की सलाह दी गई

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड सरकार ने चारधाम श्रद्धालुओं के लिए हिंदी और अंग्रेजी के अलावा सात और भारतीय भाषाओं में स्वास्थ्य संबंधी दिशा निर्देश जारी किए। स्वास्थ्य सचिव आर. राजेश कुमार ने कहा कि हम हिंदी और अंग्रेजी में पहले ही दिशानिर्देश जारी कर चुके हैं। अब हम सात और भाषाओं में इन्हें जारी कर रहे हैं जिससे विभिन्न प्रदेशों से चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालु इन्हें आसानी से समझ सकें और अपनी सुरक्षा के लिए एहतियात बरत सकें। उन्होंने बताया कि हिंदी और अंग्रेजी के अलावा गुजराती, पंजाबी, बांग्ला, मराठी, तेलगू, कन्नड़, उड़िया और तमिल में दिशानिर्देश जारी किए गए हैं। पिछले साल चारधाम यात्रा के दौरान अनेक श्रद्धालुओं की दिल का दौरा पड़ने तथा अन्य स्वास्थ्य कारणों के चलते मौत हो गई थी और इसी के मद्देनजर राज्य सरकार ने यात्रा शुरू होने से पहले ये दिशानिर्देश जारी किए हैं। इन दिशा निर्देशों में उच्च गढ़वाल हिमालयी क्षेत्र में स्थित चारों धाम बदरीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री के समुद्रतल से 2700 मीटर से अधिक की ऊंचाई पर स्थित होने के कारण श्रद्धालुओं को जलवायु अनुकूलन के मद्देनजर कम से कम सात दिन का कार्यक्रम बनाने की सलाह दी गयी है। दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि तीर्थस्थलों की ऊंचाई अधिक होने के कारण तीर्थयात्री अत्यधिक ठंड, कम आर्द्रता, अत्यधिक अल्ट्रा वायलेट विकिरण, कम हवा का दवाब, कम आक्सीजन की मात्रा से प्रभावित हो सकते हैं इसलिए वे यात्रा से पहले और यात्रा के दौरान पर्याप्त सावधानियां बरतें। तीर्थयात्रियों को सलाह दी गई है कि वे अपनी यात्रा की योजना कम से कम सात दिन की बनाएं जिससे उन्हें वातावरण के अनुरूप ढलने के लिए पर्याप्त समय मिले। इसके अलावा, उन्हें यात्रा पर निकलने से पहले रोजाना 5-10 मिनट श्वास व्यायाम करने तथा करीब आधा घंटा टहलने की सलाह भी दी गई है। कोई बीमारी होने या 55 साल से अधिक की उम्र होने की स्थिति में श्रद्धालुओं को यात्रा से पहले स्वास्थ्य जांच कराने की सलाह देते हुए कहा गया है कि चिकित्सक द्वारा अनुमति न देने पर यात्रा पर न आएं। इसके अलावा उन्हें अपने साथ गर्म कपड़े, छाता और बरसाती साथ में रखने तथा यात्रा के दौरान कम से कम दो लीटर तरल पदार्थ पीने और भरपूर पौष्टिक आहार लेने की सलाह भी दी गई है। गढ़वाल क्षेत्र के सभी जिलाधिकारियों को इन दिशानिर्देशों का श्रद्धालुओं के बीच व्यापक प्रचार-प्रसार करने को कहा गया है ताकि उनकी यात्रा सुगम और सुरक्षित रूप से संपन्न हो।

भाजपा में शामिल होकर आलोक ने कहा, नीतिश सचमुच पलटीमार नेता

पटना । जदयू के पूर्व प्रवक्ता अजय आलोक ने भाजपा का दामन थाम लिया। भाजपा में शामिल होते ही आलोक ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जुबानी हमला किया है। उन्होंने कहा कि नीतीश को बहुत लोग पलटीमार कहते हैं, जो बिल्कुल सही है। इस दौरान उन्होंने आनंद मोहन को रिहा करने के फैसले पर नीतीश कुमार को घेरा। उन्होंने कहा कि 87 साल बाद 2012 में नीतीश कुमार ने ही जेल मैन्युअल में संशोधन किया था। तब यह क्लॉज डाला था, कि अगर सरकारी सेवक की हत्या होगी तब उस कभी रिहा नहीं किया जाएगा। आलोक ने कहा कि नीतीश ने उस समय जेल मैन्युअल में बदलाव किया, जिससे जेल से बाहर आने वाले अपराधी छूट न पाए। अब आनंद मोहन और बाकी कैदियों को उन्हें रिहा करना था, इसकारण उन्होंने फिर से संशोधन किया। कई दुर्दांत अपराधी को छोड़ा गया है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या अब दलितों की हत्या करने वालों को इसकारण छोड़ा जाएगा कि वहां अमूक जाति से है।

कर्नाटक चुनाव में खरगे का पीएम मोदी पर अमर्यादित बयान कांग्रेस को पड़ सकता है भारी

बेंगलुरु (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विषैला सांप कहे जाने का मुद्दा गर्मा गया है। खरगे अपने बयान पर तमाम तरह की सफाई दे रहे हैं लेकिन भाजपा ने इसे बड़ा चुनावी मुद्दा बना लिया है। भाजपा ने तो चुनाव आयोग से मांग भी की है कि विवादित बयान के लिए खरगे पर कार्रवाई की जाये और उन्हें कर्नाटक में चुनाव प्रचार करने से रोका जाये। वहीं, शुक्रवार को जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह कर्नाटक में चुनाव प्रचार के लिए पहुँचे तो उन्होंने भी प्रधानमंत्री के खिलाफ अमर्यादित बातें कहने के लिए कांग्रेस को आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया जिन पीएम मोदी का इतना सम्मान करती है, उन्हें कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष विषैला सांप कहते हैं, सोनिया गांधी उन्हें मौत का सौदागर कहती हैं। अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस वालों की मति मारी गई है, वे मोदी जी को जितनी गाली देंगे कमल उतने ही अच्छे से खिलेगा।

अमित शाह ने साथ ही उनके खिलाफ एफआईआर कराने वाली कांग्रेस को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि हमने पीएफआई पर बैन लगाकर कर्नाटक को सुरक्षित किया है। मैं नहीं डरता हूं। आपको कोई आपत्ति है तो आकर बताइए कि क्यों पीएफआई को चालू रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि वोट बैंक के लालच में कांग्रेस ने पीएफआई को सिर पर चढ़ाया था। गृह मंत्री अमित शाह ने धारवाड़ में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस 70 साल से धारा 370 को एक बच्चे की तरह अपनी गोद में सहला रही थी। कांग्रेस, जेडीएस, सपा, बसपा, ममता सब कहते थे कि इसे मत हटाइए कश्मीर में खून की नदियां बह जाएगी। उन्होंने कह कि धारा 370 हट गई तब खून की नदियां तो छोड़िए किसी की कंकड़ चलाने की भी हिम्मत नहीं हुई।

बहरहाल, हम आपको यह भी बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार और रविवार को कर्नाटक में चुनाव प्रचार करेंगे। देखना होगा कि खरगे की टिप्पणी पर वह कैसे पलटवार करते हैं। प्रधानमंत्री ने एक दिन पहले कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा था कि जिस पार्टी की वारंटी खत्म हो गयी है उसकी ओर से चुनावों के दौरान दी जा रही गारंटी पर भरोसा नहीं किया जा सकता है।

दूसरी ओर, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा भी कर्नाटक में सघन प्रचार कर रहे हैं। उन्होंने मुस्लिम आरक्षण मुद्दे को उठाते हुए कहा कि धर्म के आधार पर आरक्षण देना संवैधानिक दृष्टि से गलत है। उन्होंने कांग्रेस से पूछा है कि आप अगर धार्मिक आधार पर आरक्षण देंगे तो किसका आरक्षण लेंगे लिंगायत का, सुप्रीम कोर्ट का या वोकालिग्गा का?

इसके अलावा, कर्नाटक में गर्माते चुनाव प्रचार के बीच अमर्यादित बयानों की बाढ़ भी आती जा रही है। मल्लिकार्जुन खरगे के प्रधानमंत्री मोदी पर 'जहरीले सांप' वाली टिप्पणी पर हमला बोलते हुए कर्नाटक के बीजेपी विधायक बासनगौड़ा यतनाल ने यूपीए अध्यक्ष सोनिया गांधी को 'विषकन्या' कह डाला है जिस पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने कहा है कि भाजपा को पता होना चाहिए कि सोनिया गांधी एक ऐसी मां हैं जिन्होंने इस देश की अखंडता के लिए अपने पति को खो दिया। उन्होंने कहा कि मैं यतनाल से माफी मांगने के लिए नहीं कहूंगा, मैं पीएम मोदी और सीएम बोम्मई से माफी मांगने के लिए कहूंगा। मैं बीजेपीअध्यक्ष जेपी नड्डा से कहना चाहूंगा कि यतनाल को पार्टी से निकालें।

संक्षेप खबर

पाकिस्तान में इलाही के घर छापा, देर रात गिरफ्तार करने पहुंचे अधिकारी

लाहौर। पाकिस्तान में भ्रष्टाचार निरोधक और पुलिस अधिकारियों ने शुक्रवार देर रात पाकिस्तान में पंजाब प्रांत के पूर्व मुख्यमंत्री चौधरी परवेज इलाही को गिरफ्तार करने के लिए उनके लाहौर स्थित आवास पर छापा मारा।छापा मारने वाली टीम ने इस दौरान श्री इलाही के गुलबर्ग निवास के मुख्य द्वार को तोड़ने के लिए एक बख्तरबंद वाहन का इस्तेमाल किया और घर से 12 लोगों को गिरफ्तार किया, जिनमें ज्यादातर उनके कर्मचारी थे। महिला पुलिस अधिकारियों ने कुछ महिलाओं को हिरासत में भी लिया।पुलिस अधिकारियों ने श्री इलाही के घर की अच्छी तरह से तलाशी ली, लेकिन श्री इलाही का पता नहीं चला। उन्होंने पीएमएल-क्यू के अध्यक्ष चौधरी शुजात हुसैन के बगल के आवास में जबरन घुसने की भी कोशिश की, लेकिन श्री शुजात के पुत्रों ने उनका विरोध किया।तलाशी अभियान शनिवार को तड़के 02 बजे तक जारी रहा और पुलिस श्री इलाही को पकड़ने में विफल रही। भ्रष्टाचार रोधी प्रतिष्ठान ने कहा कि उसकी गुजरांवाला टीम श्री इलाही को भ्रष्टाचार के एक मामले में गिरफ्तार करने के लिए उनके घर पहुंची थी।उधर, श्री इलाही की कानूनी टीम ने कहा कि उनकी गिरफ्तारी पूर्व जमानत 06 मई तक के लिए एक अदालत से पहले ही ले ली गई थी। एसीई टीम ने जोर देकर कहा कि एक नए मामले में श्री इलाही की आवश्यकता है और वे पीटीआई नेता को गिरफ्तार किए बिना नहीं छोड़ेंगे।श्री इलाही के वकीलों ने एसीई अधिकारियों को जमानत के बारे में आश्वासन दिया।उधर, श्री इलाही के पुत्र मूनिस इलाही ने ट्वीट कर कहा, ÷पंजाब पुलिस अभी मेरे पिता को उस मामले में गिरफ्तार करने के लिए हमारे आवास पर है, जिसके लिए उन्हें आज जमानत मिली है। उनकी जमानत की सुनवाई को सभी मीडिया आउटलेट्स द्वारा कवर किया गया था। ÷उन्होंने कहा, ÷पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान बिल्कुल सही हैं, पाकिस्तान में कानून का शासन समाप्त हो गया है।पीटीआई प्रमुख इमरान खान ने शनिवार आधी रात को ट्वीट किया, श्री परवेज इलाही के घर पर अवैध छापेमारी की कड़ी निंदा करता हूं, जिसमें मौजूद महिलाओं और परिवार के सदस्यों का कोई सम्मान नहीं है।हम अपनी आंखों के सामने पाकिस्तान में लोकतंत्र को खत्म होता देख रहे हैं। संविधान, उच्चतम न्यायालय के फैसले या लोगों के मौलिक अधिकारों का कोई सम्मान नहीं है - केवल जंगल राज है।

फिलीपींस में दो जहाजों की टक्कर में एक की मौत, तीन लापता

मनीला। फिलीपीन के कोरिगिडोर द्वीप के पास दो विदेशी जहाजों की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हो गयी और तीन लापता हो गये।फिसीपींस के तट-रक्षक (पीसीजी) ने कहा कि जहाजों में से एक सिएरा लियोन-ध्वज एमवी होंग शुक्रवार को दुर्घटना के कारण पलट गया। इस जहाज पर 20 चालक दल के सदस्य और 189 अन्यच लोग सवार थे। पीसीजी के मुताबिक चालक दल के 20 सदस्यों में से 16 को बचा लिया गया है, जबकि एक सदस्य का शव शनिवार को मिला। लापता चालक दल के लिए राहत एवं बचाव कार्य जारी है।पीसीजी ने कहा कि मार्शल आइलैंड्स ध्वज वाहक जहाज एमटी पेटिट सोयूर (एक रासायनिक और तेल उत्पाद टैंकर) के सभी 21 चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं। पीसीजी के अनुसार एमवी होंग हाई ने जाम्बलेस प्रांत में अपना आखिरी पोर्ट कॉल किया, जबकि एमवी पेटिट सोयूर का आखिरी पोर्ट कॉल बाटान प्रांत में था। ये दोनों प्रांत मनीला के उत्तर-पश्चिम में हैं।

इक्काडोर में भूस्खलन से मरने वालों की संख्या बढ़कर 50 हुई

क्विटो। मध्य इक्काडोर में पिछले महीने के अंत में हुए भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर 50 हो गई है।इक्काडोर के अटॉर्नी नजरल (एफजीई) के कार्यालय ने यह जानकारी दी है। एफजीई ने शुक्रवार को ट्विटर पर कहा, ÷फिलहाल मरने वालों की संख्या 50 है।गौरतलब है कि अप्रैल की शुरुआत में, भूस्खलन से मरने वालों की संख्या 27 थी, जबकि घायलों की संख्या 37 थी।इक्काडोर के चिम्बोराज़ो प्रांत के अलौसी शहर में 26 मार्च को भारी भूस्खलन हुआ था। स्थानीय मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, 30 से अधिक लोग अभी भी लापता हैं।इक्काडोर के जोखिम प्रबंधन के राष्ट्रीय सचिवालय के अनुसार भूस्खलन से लगभग 500 स्थानीय निवासी प्रभावित हुए हैं। लगभग 60 घर पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं, जबकि 160 से अधिक क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला की जीवनी का न्यूयॉर्क में विमोचन

न्यूयॉर्क। पूर्व विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला की जीवनी का अमेरिका के न्यूयॉर्क में विमोचन किया गया है।वर्तमान में भारत की जी20 अध्यक्षता के मुख्य समन्वयक श्रृंगला (61) ने पिछले सप्ताह इस संबंध में आयोजित एक कार्यक्रम में भारतीय-अमेरिकी और प्रवासी समुदाय के प्रमुख सदस्यों को संबोधित किया। इस कार्यक्रम के दौरान उनकी जीवनी 'नॉट एन एक्सीडेंटल राइज' का विमोचन किया गया।भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति (बीएमवीएसएस) की सहायक कंपनी 'जयपुर फुट यूएसए' द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में भारत में अमेरिका के पूर्व राजदूत केनेथ जस्टर और न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्यदूत रणधीर जायसवाल विशेष अतिथि थे।'नॉट एन एक्सीडेंटल राइज' को सिक्किम विश्वविद्यालय के अंतरराष्ट्रीय संबंध विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. दीपमाला रोका ने लिखा है। इससे पहले भारत में इसका विमोचन इस महीने की शुरुआत में दार्जिलिंग में हुआ था।श्रृंगला की यह जीवनी ''दृढ़ता, दृढ़ संकल्प, कड़ी मेहनत, कौशल और क्षमता के बल पर भारतीय विदेश सेवा में उनके सर्वोच्च पद तक पहुंचने'' का वर्णन करती है।यह जीवनी बताती है, उनका जीवन और कार्य उनकी विरासत, उनकी संस्कृति और उनके मूल्यों में दृढ़ता से निहित हैं।श्रृंगला ने कहा, ÷यह पुस्तक न केवल मेरे करियर, बल्कि मेरे अब तक के पूरे जीवन की अच्छी तरह से शोध करके दी गई स्पष्ट जानकारी पेश करती है।श्रृंगला ने याद किया कि कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर के देश को अपनी चपेट में लेने से ठीक पहले जब वह अप्रैल 2021 में सिक्किम गए थे तब वह पहली बार रोका से मिले थे। श्रृंगला ने कहा कि उस समय सिक्किम विश्वविद्यालय ने एक बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया था। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक भारत और अमेरिका के बीच लोगों के संबंधों के बारे में भी बताती है।

अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने सूडानी युद्धरत गुटों से युद्धविराम का सम्मान करने का किया आह्वान

अदीस अबाबा। अफ्रीकी संघ, विकास पर अंतर सरकारी प्राधिकरण और संयुक्त राष्ट्र को एक साथ लाने वाले त्रिपक्षीय तंत्र ने सूडान में युद्धविराम को पूर्ण रूप से लागू करने का आह्वान किया है। त्रिपक्षीय तंत्र के सदस्यों ने शुक्रवार को जारी एक संयुक्त बयान में यह आह्वान किया।बयान में कहा गया है, त्रिपक्षीय तंत्र और क्वाड के सदस्य सूडानी सशस्त्र बलों और रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) द्वारा मौजूदा संघर्षविराम को अतिरिक्त 72 घंटों के लिए बढ़ाने और इसके पूर्ण कार्यान्वयन की मांग करने की घोषणा का स्वागत करते हैं।समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने शत्रुता को खत्म करने और बेरोकटोक मानवीय पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में बातचीत में संलग्न होने के लिए दो सूडानी युद्धरत गुटों की तत्परता का भी स्वागत किया।बयान में कहा गया है कि शत्रुता की स्थायी समाप्ति के लिए एक प्रक्रिया स्थापित करने के लिए कूटनीति का यह प्रारंभिक चरण एक डी-एस्केलेशन योजना के विकास पर कार्रवाई में योगदान देगा, जैसा कि 20 अप्रैल की अफ्रीकी संघ की विज्ञप्ति में बताया गया है। अप्रैल के मध्य से, सूडान सेना और आरएसएफ के बीच सैन्य संघर्ष चल रहा है।सूडानी सेना के कमांडर अब्देल फतह अल-बुरहान द्वारा अक्टूबर 2021 में आपातकाल की स्थिति घोषित करने और संप्रभु परिषद के साथ-साथ सरकार को भंग करने के बाद से देश एक राजनीतिक संकट से जूझ रहा है।

अफगान पुलिस ने खोस्त प्रांत में लुटेरों के एक गिरोह का किया भंडाफोड़

खोस्त (अफगानिस्तान)। अफगानिस्तान पुलिस ने पूर्वी खोस्त प्रांत में लुटेरों और चोरों के आठ सदस्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी।राज्य द्वारा संचालित बख्तर समाचार एजेंसी की रिपोर्ट में शुक्रवार को कहा गया कि गिरफ्तार गिरोह के सदस्य सशस्त्र डकैती, अपहरण, चोरी और खोस्त प्रांत और इसके आसपास के क्षेत्र में कानून व्यवस्था की समस्या पैदा करने सहित आपराधिक गतिविधियों में शामिल हैं।

अपने पक्के समर्थकों के साथ ट्रम्प का रिपब्लिकन पार्टी पर मजबूत पकड़

न्यूयॉर्क।एजेंसी

डोनाल्ड ट्रम्प ने 2016 के अपने सफल चुनाव अभियान के दौरान दावा किया, मैं पांचवें एवेन्यू के बीच में खड़ा हो सकता हूं और किसी को गोली मार सकता हूं, और मैं किसी भी मतदाता को नहीं खोऊंगा।

यह दावा उन सभी लोगों के लिए नहीं हो सकता है, जिन्होंने उस वर्ष उन्हें वोट दिया था, क्योंकि 2020 में कई दलबदल हो गए थे। लेकिन यह उनके समर्थकों के मूल आधार के बारे में सच है। दो महाभियोगों से अविचलित ट्रम्प के पास रिपब्लिकन पार्टी के 51 प्रतिशत समर्थकों का साथ है, जिसके आधार पर पार्टी पर उनकी मजबूत पकड़ है। समर्थकों के लिए ट्रम्प उनके हीरो हैं, जो अभिजात्य वर्ग के निशाने पर हैं।

फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डीसांटिस के साथ, अपने चैलेंजर्स या संभावित चैलेंजर्स के मुकाबले ऐसा प्रतीत होता है कि ट्रम्प पार्टी का उम्मीदवार बनने की दिशा में पहला कदम बढ़ा चुके हैं। आरसीपी पोल एग्रीगेशन में ट्रम्प आगे चल रहे हैं। यहीं पर दोनों के लिए अपनी बढ़त बढ़ाने की चुनौती है। 55 प्रतिशत की प्रतिकूलता रेटिंग वाले 70 वर्षीय ट्रम्प और 52.6 प्रतिशत के साथ 80 वर्षीय बाइडेन।

आम धारणा के विपरीत कि ट्रम्प ने अपने वोटों में 11 मिलियन से अधिक की वृद्धि की। 2016 में 62.98 मिलियन से 2020 में 74.22 मिलियन हो गए, लेकिन बाइडेन ने 81.28 मिलियन वोट प्राप्त करके उन्हें पीछे छोड़ दिया। अमेरिकी राजनीति में बड़ा विभाजन कॉलेज-शिक्षित अभिजात्य वर्ग और बाकी के बीच है। दोनों समूह एक एक-दूसरे के प्रति तिरस्कार करते हैं। यहां तक कि अगर यह आर्थिक स्थिति में प्रकट होता है, तो उनके मतभेद सामाजिक मुद्दों और उनकी असुरक्षाओं पर आधारित होते हैं।

थिंक टैंक प्यू रिसर्च के मुताबिक, बाइडेन के मतदाताओं में से 61 प्रतिशत कॉलेज स्नातक थे, जबकि ट्रम्प को इस समूह से केवल 37 प्रतिशत वोट मिले।

कोर ट्रम्प समर्थक मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के साथ अपने नेता के साथ खड़े हैं।

मैनहट्टन इंस्टीट्यूट के आंकड़ों के अनुसार 27.3 प्रतिशत कॉलेज-शिक्षित गोरे और 32.8 प्रतिशत गैर-गोरे, जो कॉलेज स्नातक नहीं हैं, डेमाक्रेटिक पार्टी के समर्थक हैं।

उनके लिए ट्रांसजेंडर महिला होने का दावा करने वाले पुरुषों को स्कूलों में लड़कियों के बाथरूम का उपयोग करने या लड़कियों की खेल टीमों में प्रतिस्पर्धा करने, प्राथमिक स्कूल के बच्चों को ट्रांससेक्सुअलिटी के बारे में पढ़ाने या नाबालिगों के लिए सेक्स चेंज उपचार की अनुमति देने जैसे मुद्दे हैं, जिन्हें रिपब्लिकन भुनाने की उम्मीद करते हैं।

और फिर अन्य शिक्षा के मुद्दे, जैसे इतिहास और नागरिक शास्त्र का शिक्षण, जो अमेरिका को पूरी तरह से नस्लवादी राष्ट्र के रूप में प्रस्तुत करता है, और गणित और विज्ञान के पाठों में नस्ल समानता की अवधारणाओं को पेश करता है।

भले ही ट्रम्प के अधिकांश समर्थक श्वेत हैं, डेमोक्रेट्स के लिए चिंता की बात यह है कि उन्होंने लैटिनो के बीच बढ़त बना ली है।प्यू के अनुसार, 2016 और 2020 के बीच, ट्रम्प ने लातीनी मतदाताओं के बीच अपना समर्थन लगभग 10 प्रतिशत से 28 प्रतिशत तक बढ़ा दिया।ट्रम्प के लिए एक स्थिर, प्रमुख समूह व्हाइट इवेंजेलिकल प्रोटेस्टेंट ईसाई हैं।प्यू ने बताया कि उनमें से 84 प्रतिशत ने 2020 में उनका समर्थन किया, यह पूरी तरह से उनके सामाजिक एजेंडे पर आधारित था, खासकर गर्भपात पर।2024 के चुनाव का नतीजा यह तय करेगा कि कौन सी पार्टी अधिक प्रभावी ढंग से लामबंदी करती है और क्या डेमोक्रेट अपने 15.85 मिलियन समर्थकों को बरकरार रख सकते हैं।उनमें से कई उपनगरीय मतदाता थे, विशेषकर महिलाएं और युवा।ऐसा लगता है कि 2016 में कुछ प्रमुख राज्यव्यापी दौड़ में डेमोक्रेट के लिए काम करने वाला एक सामाजिक मुद्दा गर्भपात का मुद्दा है, जहां ट्रम्प और उनके कोर इसके खिलाफ दृढ़ता से हैं, जबकि डेमोक्रेट गर्भपात के अधिकारों का समर्थन करते हैं।सुप्रीम कोर्ट के पहले के एक फैसले को पलटने और गर्भपात को राज्य का मामला बनाने के फैसले के बाद और अब इसे रिपब्लिकन के प्रभुत्व वाले 14 राज्यों में प्रतिबंधित कर दिया गया है, लेकिन पिछले साल प्यू रिसर्च के एक सर्वेक्षण के अनुसार, 61 प्रतिशत अमेरिकी गर्भपात पर प्रतिबंध के खिलाफ हैं, जबकि केवल 37 प्रतिशत प्रतिबंध चाहते हैं।

2020 में जीतने का दावा करने में ट्रम्प की हरकतों के अलावा, जनवरी 2021 में कांग्रेस पर उनके समर्थकों का हमला, कानूनी उलझनें और उनकी बेबुनियाद बयानबाजी, गर्भपात का मुद्दा कई रिपब्लिकन के लिए बेचैनी पैदा करता है।2022 के मध्यावधि चुनाव में ट्रंप के चुने हुए प्रतिनिधियों में से कई हार गए, जिसकी कीमत रिपब्लिकन को सीनेट पर नियंत्रण के रूप में चुकानी पड़ी।कई रिपब्लिकन अरबपति मेगा-दाताओं ने कहा है कि वे ट्रम्प के अभियान को वित्तीय मदद नहीं देंगे।रिपब्लिकन नामांकन के लिए प्रमुख चुनौती देने वाले डीसैंटिस वैचारिक रूप से ट्रम्प के करीब हैं।फिर भी, उनकी विचारधारा कुछ नरमपंथियों को नापसंद कर सकती है।निक्की हेली, अमेरिकी कैबिनेट में सेवा करने वाली पहली भारतीय अमेरिकी और दक्षिण कैरोलिना के पूर्व गवर्नर, और अर्कांसस के पूर्व गवर्नर आसा हचिंसन, जिन्होंने अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की है।

उत्तर कोरिया ने बाइडन और अमेरिका-दक्षिण कोरिया के बीच हुए समझौते की निंदा की

वाशिंगटन। एजेंसी

उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन की बहन किम यो जोंग ने कहा है कि उत्तर कोरिया के परमाणु खतरों से निपटने के लिए अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच हुए नए समझौते के जवाब में उनका देश अपनी सैन्य शक्ति का और अधिक प्रदर्शन करेगा।

जोंग ने कहा कि यह समझौता उत्तर कोरिया के प्रति इन दोनों देशों की ''अत्यधिक'' शत्रुता को दर्शाता है। उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन पर निजी हमले भी किए।

बाइडन और उनके दक्षिण कोरियाई समकक्ष यून सुक येओल ने उत्तर कोरिया के परमाणु खतरे का मुकाबला करने के लिए बुधवार को एक नयी योजना का अनावरण किया था।

इस दौरान, बाइडन ने कहा था कि उत्तर कोरिया द्वारा अमेरिका या उसके सहयोगियों एवं भागीदारों के खिलाफ किया जाने वाला परमाणु हमला अस्वीकार्य होगा और इसका परिणाम इस तरह की कार्रवाई करने वाले शासन का अंत होगा।

दोनों देशों के बीच समझौते के तहत उत्तर कोरिया के परमाणु खतरे को रोकने के प्रयास के तहत दक्षिण कोरिया में समय-समय पर अमेरिका की परमाणु पनडुब्बियों को तैनात करने, दोनों देशों के बीच प्रशिक्षण को मजबूत करने और अन्य कदम उठाने का आह्वान किया गया है।

बाइडन और यून की शिखर वार्ता ऐसे समय में हुई थी, जब कोरियाई प्रायद्वीप में तनाव और बढ़ गया है। उत्तर कोरिया के हथियारों के परीक्षण और अमेरिका एवं दक्षिण कोरिया के संयुक्त सैन्य अभ्यासों में तेजी आई है। उत्तर कोरिया 2022 की शुरुआत से अब तक करीब 100 मिसाइल का प्रक्षेपण कर चुका है।

बाइडन और यून की मुलाकात के दौरान दोनों देशों ने उत्तर कोरिया द्वारा परमाणु हमला किए जाने की स्थिति में राष्ट्रपतियों के स्तर पर द्विपक्षीय विचार-विमर्श करने और अमेरिका के परमाणु हथियारों समेत गठबंधन की पूरी ताकत का तेजी से, अप्रत्याशित तरीके से और निर्णायक तरीके से इस्तेमाल करने का संकल्प लिया।

सरकारी मीडिया में प्रसारित जोंग की टिप्पणियों में कहा गया है कि अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच हुए समझौते ने उत्तर कोरिया के खिलाफ उनकी ''सबसे शत्रुतापूर्ण और आक्रामक कार्रवाई की मंशा'' को प्रतिबिंबित किया है और यह क्षेत्रीय शांति एवं सुरक्षा को ''और अधिक गंभीर खतरे'' में धकेल देगा।

जोंग ने कहा कि इस शिखर वार्ता ने अपनी परमाणु हथियार क्षमताओं को और बढ़ाने के उत्तर कोरिया के दृढ़ संकल्प को और मजबूत किया है।उन्होंने परमाणु हमले की स्थिति में उत्तर कोरिया का अंत किए जाने संबंधी बाइडन की चेतावनी को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति की आलोचना की और उन्हें ''बूढ़ा'' और ''बहुत गलत अनुमान लगाने वाला एवं गैरजिम्मेदाराना रूप से बहादुर'' व्यक्ति बताया।बहरहाल, जोंग ने कहा कि उत्तर कोरिया बाइडन के बयान को ''किसी व्यक्ति द्वारा सनक में की गई बेतुकी टिप्पणी'' कहकर खारिज नहीं करेगा।

यदि बाइडेन जीतते हैं, तो वे चीन के साथ खराब संबंधों को सुधारने की कर सकते हैं कोशिश

वाशिंगटन। एजेंसी

चीन के विश्लेषकों के अनुसार अमेरिका में अगले साल होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले तनावपूर्ण अमेरिका-चीन संबंधों को और अधिक परीक्षणों का सामना करना पड़ेगा। एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट (एससीएमपी) ने बताया कि लेकिन उनका कहना है कि अगर जो बाइडेन फिर से चुने जाते हैं, तो दोनों शक्तियों के बीच संबंधों में कुछ सुधार की संभावना है।

80 वर्षीय ने मंगलवार को घोषणा की कि वह पूर्व नेता डोनाल्ड ट्रम्प के साथ 2020 के राष्ट्रपति पद की दौड़ का रीमैच स्थापित करते हुए फिर से चुनाव लड़ेंगे, जो अब रिपब्लिकन फ्रंट-रनर हैं।

एससीएमपी ने बताया कि जबकि पहले प्राइमरी अभी भी महीने दूर हैं, 2024 का चुनाव संयुक्त राज्य में राजनीतिक ध्रुवीकरण को गहरा करने के समय प्रकट होने की उम्मीद है और जब चीन पर एक सख्त रुख अपनाने पर द्विदलीय सहमति है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि लेकिन विश्लेषकों का कहना है कि जैसे-जैसे दौड़ तेज होगी, उम्मीदवार चीन पर सबसे मजबूत होने का दावा करके जमीन हासिल करने की कोशिश कर सकते हैं, जिसे पेंटागन ने अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा हितों के लिए शीर्ष चुनौती बताया है।

एससीएमपी की रिपोर्ट के अनुसार, सिचुआन विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय मामलों के एक प्रोफेसर पैंग झोंगयिंग के अनुसार, अमेरिकी चुनावी मौसम आने के साथ,

अमेरिका-चीन संबंध अधिक जटिल हो जाएंगे और दोनों पक्षों के बीच बातचीत में सुधार की आशा कम होगी।पैंग ने कहा, बाइडेन प्रशासन चीन के प्रति अपनी वर्तमान नीति को जारी रखेगा, और संभवतः सख्त होगा। लेकिन वह अमेरिका-चीन संबंधों को बेहतर बनाने के लिए [उपाय लेने] पर भी विचार कर सकता है, ताकि वह चीन के साथ संबंधों को अच्छी तरह से प्रबंधित करने का दावा कर सके।

एससीएमपी ने बताया, अगर बाइडेन जीतते हैं, तो यह राष्ट्रपति के रूप में उनका आखिरी कार्यकाल होगा और उन्हें कुछ विरासत बनाने की जरूरत होगी। चीन के साथ संबंधों में सफलता एक विकल्प हो सकता है।

लड़ाई खत्म होने तक बातचीत नहीं: सूडान अर्धसैनिक नेता

खार्तूम। सूडान के अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स (आरएसएफ) के नेता जनरल मोहम्मद हमदान डागलो ने कहा कि हिंसा प्रभावित अफ्रीकी देश में दो युद्धरत गुटों में से एक ने कहा कि जब तक लड़ाई होगी, तब तक कोई बातचीत नहीं होगी।

हेमेदती के नाम से मशहूर डागलो ने शुक्रवार रात बीबीसी से बात करते हुए आरोप लगाया कि आरएसएफ के लड़ाकों पर लगातार बम बरसाए जा रहे हैं।

डगालो ने बीबीसी को बताया, हम सूडान को तबाह नहीं करना चाहते हैं। उन्होंने सूडानी आर्म्ड (एसएएफ) के प्रमुख जनरल अब्देल फत्ताह अल-बुरहान को हिंसा के लिए ज़िम्मेदार ठहराया।

जनरल बुरहान दक्षिण सूडान में आमने-सामने बातचीत के लिए अस्थायी रूप से सहमत हो गए हैं।

आरएसएफ प्रमुख ने कहा कि वह बातचीत के लिए तैयार हैं, लेकिन शर्त यह है कि संघर्षविराम लागू होना चाहिए। पहले लड़ाई बंद करो, उसके बाद हम बातचीत कर सकते हैं।डगालो ने कहा कि उन्हें जनरल बुरहान से कोई व्यक्तिगत समस्या नहीं है, लेकिन उन्हें पूर्व राष्ट्रपति उमर अल-बशीर के प्रति वफादार लोगों को सरकार में लाने के लिए देशद्रोही माना, जिन्हें 2019 में बड़े पैमाने पर सड़क विरोध के बाद एसएएफ और आरएसएफ द्वारा एक साथ हटा दिया गया था।उन्होंने बीबीसी को बताया, दुर्भाग्य से बुरहान का नेतृत्व कट्टरपंथी इस्लामिक फ्रंट के नेता कर रहे हैं।

2021 में, उन्होंने और जनरल बुरहान ने तख्तापलट में पूर्ण नियंत्रण लेते हुए, नागरिकों के साथ सत्ता साझा करने के समझौते को पलट दिया।नागरिक शासन में प्रस्तावित वापसी को लेकर इस वर्ष दो सैन्य नेता अलग हो गए, विशेष रूप से डगालो की मजबूत आरएसएफ को सेना में शामिल करने की समय सीमा के बारे में।उन्होंने बीबीसी से कहा, मैं कल से पहले एक पूरी तरह से असैन्य सरकार की उम्मीद कर रहा हूं. यह मेरा सिद्धांत है।उन्होंने यह भी कहा कि आरएसएफ के लड़ाके सैनिकों के दुश्मन नहीं हैं।

अमेरिका व पश्चिमी देश यूक्रेन संघर्ष को चाहते हैं और उग्र बनाना: ईरान

तेहरान। ईरान के रक्षा मंत्री मोहम्मदरेजा अष्टियानी ने कहा है कि अमेरिका और कुछ पश्चिमी देश कीव में हथियार भेजना जारी रखकर यूक्रेन में संघर्ष को और भीषण रूप देना चाहते हैं।समाचार एजेंसी आईआरएनए ने शुक्रवार को बताया कि अष्टियानी ने गुरुवार को नई दिल्ली, भारत में अपने बेलारूसी समकक्ष विक्टर ख्रेनिन के साथ एक बैठक में यह टिप्पणी की।

बैठक में उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों के विस्तार की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला।समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि ईरान हर उस कूटनीतिक प्रयास का समर्थन करेगा, जिससे यूक्रेन युद्ध का शांतिपूर्ण समाधान होगा।उन्होंने कहा कि अमेरिका और कुछ पश्चिमी देशों के हस्तक्षेपपूर्ण और एकतरफा दृष्टिकोण ने दुनिया के विभिन्न हिस्सों में संघर्ष और असुरक्षा में वृद्धि की है। अष्टियानी ने कहा कि ईरान और बेलारूस को द्विपक्षीय संबंधों और सहयोग को बढ़ाने की दिशा में काम करने की आवश्यकता है।

सीमा प्रबंधन समझौतों के उल्लंघन के कारण चीन के साथ भारत के संबंध 'असामान्य' : जयशंकर

सांतो डोमिंगो। एजेंसी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत यह सुनिश्चित करना चाहता है कि विशिष्टता की मांग किए बिना सभी देशों के साथ उसके संबंध बढ़ते रहें। उन्होंने कहा कि हालांकि, चीन द्वारा सीमा प्रबंधन समझौतों का उल्लंघन किए जाने के परिणामस्वरूप बीजिंग के साथ भारत के ''असामान्य'' प्रकृति के संबंधों के कारण वह एक अलग श्रेणी में आता है।

डॉमिनिक गणराज्य की पहली आधिकारिक यात्रा पर सांतो डोमिंगो पहुंचे जयशंकर ने शुक्रवार को डिप्लोमैटिक स्कूल के युवाओं को संबोधित करते हुए यह भी कहा कि भारत ने क्षेत्र में कनेक्टिविटी, संपर्क और सहयोग में नाटकीय विस्तार देखा है। उन्होंने कहा कि हालांकि, पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद के कारण इसका अपवाद रहेगा।

जयशंकर ने कहा, ''चाहे अमेरिका, यूरोप, रूस या जापान हो, हम यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे हैं कि

ये सभी संबंध बिना विशिष्टता की मांग किए बढ़ें। चीन हालांकि, सीमा विवाद और हमारे संबंधों की असामान्य प्रकृति के कारण अलग श्रेणी में आता है। यह उसके द्वारा सीमा प्रबंधन के संबंध में समझौतों के उल्लंघन का नतीजा है।'' गौरतलब है कि भारत पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर चीन द्वारा बड़ी संख्या में सैनिकों की तैनाती और उसके आक्रामक रवैये की आलोचना करता रहा है।

विदेश मंत्री ने कहा, ''भारत की सबसे बड़ी प्राथमिकताएं जाहिर तौर पर उसके पड़ोस में हैं। उसके आकार और आर्थिक शक्ति को देखते हुए यह सामूहिक लाभ की बात है कि भारत छोटे पड़ोसी देशों के साथ सहयोग के लिए उदार और गैर-पारस्परिक रवैये को अपनाता है और हमने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में यही किया है।''

> जयशंकर ने कहा, ''कुल मिलाकर, भारत एक ऐसा देश है, जो वैश्विक भलाई के वास्ते सामूहिक समाधानों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस साल जी-20 की हमारी अध्यक्षता वैश्विक विकास और वैश्विक वृद्धि के समक्ष मौजूद वास्तविक चुनौतियों पर केंद्रित है।'' लातिन अमेरिका के साथ भारत की साझेदारी पर उन्होंने कहा, ''आज लातिन अमेरिका के साथ हमारा व्यापार 50 अरब डॉलर के आंकड़े की ओर बढ़ रहा है।''

उन्होंने कहा, ''भारत ने क्षेत्र में कनेक्टिविटी, संपर्क और सहयोग में नाटकीय विस्तार देखा है। इसमें सीमा पार आतंकवाद के कारण जाहिर तौर पर पाकिस्तान एक अपवाद है। लेकिन चाहे कोविड-19 संबंधी चुनौती हो या हाल में कर्ज का अधिक दबाव हो, भारत हमेशा अपने पड़ोसियों के लिए खड़ा हुआ है। विदेश मंत्री ने इस संदर्भ में श्रीलंका का हवाला दिया, जहां भारत ने दशकों में देश के सबसे बुरे आर्थिक दौर में उसे चार अरब डॉलर से अधिक की वित्तीय मदद दी है।

जयशंकर ने कहा, ''कुल मिलाकर, भारत एक ऐसा देश है, जो वैश्विक भलाई के वास्ते सामूहिक समाधानों को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस साल जी-20 की हमारी अध्यक्षता वैश्विक विकास और वैश्विक वृद्धि के समक्ष मौजूद वास्तविक चुनौतियों पर केंद्रित है।'' लातिन अमेरिका के साथ भारत की साझेदारी पर उन्होंने कहा, ''आज लातिन अमेरिका के साथ हमारा व्यापार 50 अरब डॉलर के आंकड़े की ओर बढ़ रहा है।''

संपादकीय

युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमण जी का 62 वां जन्मोत्सव

महाज्योयी की साधना में जीवन समर्पित करने वाले , अध्यात्म का तेज जिनका प्रतिपल महान हो रहा ऐसे महान गणनायक , संत शिरोमणी , अप्रमत महासाधक ,अहर्निष करुणा की श्रोतस्वीनी बहाने वाले ,सदगुण रत्नाकर , विधा विशारद , अर्हत वांगमय के उदगाता , अर्हता के आलोक पुँज , श्रम का सागर बहाने वाले , करुणा कुबेर , हमारे भीतर संवेग व निर्वेग पैदा करने वाले, पवित्रता के महासाधक , युगे महापुरुष , वितराग तुल्य , भगवान महावीर के पथ गामी , शान्ति की रश्मियाँ बिखरने वाले , शांतिदूत , श्रम से निष्णात , आत्मा के तारणहार , जन – जन में आशा की नयी किरण पैदा करने वाले, तेरापंथ के गणमाली , महानता के आसन पर आसीन , विनय शिरोमणी , भव्य आत्माओ के भीतर संयम का दीप जलाने वाले , अध्यात्म तत्व वेता , समत्व योग के मूर्तिमान आदर्श , नव – नव इतिहास कर्ता , शक्ति सम्पन्न महापुरूष , महातपस्वी , युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी के चरणो में मेरा भावों से शत्–शत् वन्दन ! आज के इस अवसर पर मेरे भाव –

भैक्षव शासन है सबसे विशाल , हमको उस पर नाज है ।
प्राणों से प्यारे गुरुवर हमारे , हमको महाश्रमण जी पर नाज है ।।
चमके गुरूवर सूरज के जैसे , झिलमिल सितारों में जैसे चाँद है ।
हिमालय बनकर पहरा देते , उफनती झीलों के यह बाँध है ।
अपनी सौम्य घटाओ में , समता का पाठ पढ़ाते है ।
मर्यादा पालन यहाँ प्रथम , संघ के हमारे प्राण है ।
प्राणों से प्यारे गुरुवर हमारे , हमको महाश्रमण जी पर नाज है ।।
भैक्षव गण को गुरूवर सिंचन देते , संयम सबका फले – फूले ।
गुरूवर के इंगित मात्र से मंजिल मलेगी , धर्म पथ पर चलते चले।
स्वयं को तपा – खपाकर , गुरू से अमृत लेने का स्थान यही है ।
विनती बन सेवा करे , आगे बढ़ने का राज गुरू है ।
प्राणों से प्यारे गुरुवर हमारे , हमको महाश्रमण जी पर नाज है ।।
सागर सी गहराई गुरूवर की , कलयुग में सतयुग जैसे है ।
धरती पर भैक्षव शासन , स्वर्गिक सूखों का गुरू संगम है ।
गुरू गण की रोशनी की भव्यता , नव्यता का नजारा निराला है ।
आँखों के तारे यही , वीणा के हर साज है ।
प्राणों से प्यारे गुरुवर हमारे , हमको महाश्रमण जी पर नाज है ।।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। वाणी की सौम्यता बनाये रखने की आवश्यकता है।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला आर्थिक योजना को बल मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ होने के योग हैं।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपको लाभ दिलायेगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। खान-पान में संयम रखें। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिलेगी। नेत्र विकार की संभावना है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

अनुमान से ज्यादा पिघले हिमालयी ग्लेशियर

मुकुल व्यास

गर्म जलवायु हिमालय के ग्लेशियरों को पिघला रही है। भारतीय उपमहाद्वीप के अरबों लोगों के लिए ये ग्लेशियर पानी के सबसे महत्वपूर्ण स्रोत हैं। इन ग्लेशियरों की बर्फ सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र जैसी प्रमुख नदियों को पोषित करती है। ग्लेशियरों की बर्फ सिर्फ जीवनदायक जल का स्रोत ही नहीं है, यह पृथ्वी और हमारे महासागरों के ऊपर एक सुरक्षा कवच की तरह काम करती है। ये चमकीले सफेद धब्बे अंतरिक्ष में अतिरिक्त गर्मी को परावर्तित करते हैं और ग्रह को ठंडा रखते हैं। सिद्धांत रूप से आर्कटिक भूमध्य रेखा की तुलना में ठंडा रहता है क्योंकि सूर्य से अधिक गर्मी बर्फ से परावर्तित होकर वापस अंतरिक्ष में चली जाती है। दुनिया भर के ग्लेशियर कई सौ साल पुराने हो सकते हैं। इनसे हमें यह वैज्ञानिक रिकॉर्ड मिलता है कि समय के साथ जलवायु कैसे बदल गई है। उनके अध्ययन से हमें इस बात की बहुमूल्य जानकारी मिलती है कि हमारा ग्रह किस हद तक तेजी से गर्म हो रहा है। एंटार्कटिका और आर्टिक के बाद दुनिया का तीसरा बड़ा बर्फ का भंडार हिमालय के पर्वतों में पाया जाता है। अब इस दुर्गम क्षेत्र के पहले संपूर्ण अध्ययन से पता चला है कि हिमालय के ग्लेशियर अपनी अरबों टन बर्फ गंवा चुके हैं। समय-समय पर अनेक वैज्ञानिक अध्ययनों में हिमालय के ग्लेशियरों के पिघलने के बारे में चेतावनी दी जा चुकी है। लेकिन नई बात यह है कि यह नुकसान वैज्ञानिकों द्वारा लगाए अनुमानों से कहीं बहुत ज्यादा है। एक नए अध्ययन से पता चलता है कि हिमालय की झीलों में खत्म होने वाले ग्लेशियरों के बड़े पैमाने पर नुकसान को काफी कम करके आंका गया है। इसकी वजह यह है कि उपग्रह पानी के नीचे होने वाले ग्लेशियर के परिवर्तनों को देखने में अक्षम हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि पिछले आकलन में वृहत हिमालय में झील में समाप्त होने वाले ग्लेशियरों के कुल नुकसान को 6.5 प्रतिशत कम करके आंका गया था। मध्य हिमालय में 10 प्रतिशत कम आकलन हुआ, जहां हिमनद से बनी झीलों का विकास सबसे तेज था। इस क्षेत्र से एक दिलचस्प मामला गेलोंग को झील का है, जिसमें ग्लेशियर क्षति का 65 प्रतिशत कम आकलन हुआ है। पानी के नीचे बड़े पैमाने पर होने वाले परिवर्तनों का पता लगाने में उपग्रह इमेजिंग की सीमाएं हैं। इसी वजह से यह चूक हुई। इससे ग्लेशियरों के संपूर्ण नुकसान के बारे में हमारी समझ में अंतर आया है। इस क्षेत्र में 2000 से 2020 तक सिकुड़ते हुए ग्लेशियरों से बनी झीलों की संख्या में 47 प्रतिशत, क्षेत्रफल में 33 प्रतिशत और आयतन में 42 प्रतिशत की वृद्धि हुई। इस विस्तार के परिणामस्वरूप ग्लेशियर द्रव्यमान का 2.7 जीटी (ग्रॉस टनेज) का अनुमानित नुकसान हुआ। पिछले अध्ययनों ने इस नुकसान पर विचार नहीं किया था क्योंकि प्रयुक्त उपग्रह डेटा केवल झील के पानी की सतह को माप सकते हैं, लेकिन पानी के नीचे की बर्फ को नहीं नाप सकते जो पानी में बदल जाती है। क्षेत्रीय जल संसाधनों और हिमनद-झीलों में आकस्मिक बाढ़ के प्रभावों को समझने के लिए ये निष्कर्ष बहुत महत्वपूर्ण है। झील में समाप्त होने वाले ग्लेशियरों से बड़े पैमाने पर होने वाले नुकसान को समझकर शोधकर्ता इन ग्लेशियरों के वार्षिक द्रव्यमान संतुलन का अधिक सटीक आकलन कर सकते हैं। नया अध्ययन हिमालय के ग्लेशियरों के नुकसान के कारणों को समझने की आवश्यकता को रेखांकित करता है। साथ ही शोध यह भी दर्शाता है कि दुनिया में झील में समाप्त होने वाले ग्लेशियरों के बड़े पैमाने पर हो रहे नुकसान को भी समझने की जरूरत है। पूरी दुनिया में 2000 और 2020 के बीच ग्लेशियरों का नुकसान 12 प्रतिशत होने का अनुमान है। आस्ट्रिया की ग्राज यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिक और इस अध्ययन के सह-लेखक टोबियास बोल्च ने कहा कि ग्लेशियरों के नुकसान के पूर्वानुमान मॉडलों में झील में समाप्त होने वाले ग्लेशियरों के नुकसान को भी शामिल किया जाना चाहिए। एक अन्य सह-लेखक डेविड रोंस ने कहा कि 21वीं सदी में ग्लेशियरों के कुल नुकसान में झील में समाप्त होने वाले ग्लेशियरों का प्रमुख योगदान बना रहेगा। बड़े पैमाने पर नुकसान होने पर ग्लेशियर मौजूदा अनुमानों की तुलना में अधिक तेजी से गायब हो सकते हैं। ग्लेशियरों के अधिक सटीक अध्ययन से शोधकर्ता हिमालय के संवेदनशील पर्वतीय क्षेत्र में भविष्य में जल संसाधन की उपलब्धता का बेहतर अनुमान लगा सकते हैं। आज पृथ्वी पर लगभग 10 प्रतिशत भूमि क्षेत्र ग्लेशियरों की बर्फ से ढकी हुई है। लगभग 90 प्रतिशत बर्फ अंटार्कटिका में है, जबकि शेष 10 प्रतिशत ग्रीनलैंड की आइस कैप में है। अंटार्कटिका और ग्रीनलैंड में तेजी से ग्लेशियरों के पिघलने से भी समुद्र की धाराएं प्रभावित होती हैं, क्योंकि भारी मात्रा में ग्लेशियरों का पिघला हुआ ठंडा हुआ पानी समुद्र के गर्म पानी में प्रवेश कर रहा है। इससे समुद्र की धाराएं धीमी हो रही हैं। जैसे-जैसे जमीन पर बर्फ पिघलेगी, समुद्र के स्तर का बढ़ना जारी रहेगा। वैसे 1900 की शुरुआत से ही दुनिया भर के कई ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। इसकी मुख्य वजह मानवीय गतिविधियां हैं। औद्योगिक क्रांति के बाद कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन ने तापमान बढ़ा दिया। ध्रुवों में भी तापमान बढ़ा। इसके परिणामस्वरूप ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। अगर हम आने वाले दशकों में उत्सर्जन पर काफी हद तक अंकुश लगाने में कामयाब भी हो जाते हैं तो भी 2100 से पहले दुनिया के बचे हुए ग्लेशियरों में से एक-तिहाई पिघल जाएंगे। जहां तक समुद्री बर्फ की बात आती है, तो आर्कटिक में सबसे पुरानी और सबसे मोटी बर्फ का 95 प्रतिशत हिस्सा पहले ही ख़त्म हो चुका है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यदि उत्सर्जन अनियंत्रित रूप से बढ़ता रहा, तो वर्ष 2040 तक गर्मियों में आर्कटिक बर्फ मुक्त हो सकता है क्योंकि समुद्र और हवा का तापमान तेजी से बढ़ता रहेगा। लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं।

पूर्वोत्तर में शांति व विकास की पहल

असम-अरुणाचल सीमा समझौता/ लक्ष्मी शंकर यादव

असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच एक लम्बी अवधि से चले आ रहे अंतर्राज्यीय सीमा विवाद को समाप्त कर लिया गया है। 20 अप्रैल को दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा और अरुणाचल के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने एक समझौते 'मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग' पर हस्ताक्षर किए। निःसंदेह, लगभग पांच दशक पुराने इस विवाद का समाधान होना वास्तव में एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। राजग सरकार ने पूर्वोत्तर में शान्ति की स्थापना और हिंसा खत्म करने के लिए एनएलएफटी, कार्बी आंगलोग और आदिवासी गुटों के साथ समझौता करवाकर विवादों को समाप्त किया है। इस तरह पूर्वोत्तर में शांति की एक नई पहल शुरू हुई है। उल्लेखनीय है कि इस सीमा विवाद के हल के लिए चर्चा हेतु गत वर्ष क्षेत्रीय समितियों का गठन किया गया था जिसमें मंत्री, स्थानीय विधायक और दोनों राज्यों के अधिकारी शामिल किए गए थे। विदित हो कि असम और अरुणाचल राज्य लगभग 804 किलोमीटर से ज्यादा लम्बी सीमा को साझा करते हैं। 15 जुलाई, 2022 को असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा और अरुणाचल के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने 'नामसाई घोषणापत्र' पर हस्ताक्षर करके इस बात का संकल्प लिया था कि वे दोनों सीमा विवाद का हल निकालेंगे। इसी कारण जुलाई, 2022 से ही दोनों प्रदेशों के मध्य इस मसले पर वार्ता चल रही थी। अब दोनों राज्यों ने 123 गांवों के इस विवाद को समाप्त करने का निर्णय लिया है। इन पर अरुणाचल प्रदेश ने दावा किया था। अभी कुल गांवों में से 71 गांवों की स्थिति को लेकर स्पष्ट सहमति बन गई है। इनमें से 10 गांव असम राज्य में ही बने रहेंगे और 60 गांव असम राज्य से लेकर अरुणाचल प्रदेश में शामिल किए जाएंगे। एक गांव को अरुणाचल प्रदेश से लेकर असम राज्य में शामिल किया जाएगा। अर्थात् 71 विवादित गांवों में से 60 गांव अरुणाचल प्रदेश को मिले और 11 गांव असम प्रान्त को प्राप्त हुए। इस संबंध में अरुणाचल प्रदेश लगातार यह कहता रहा है कि मैदानी हिस्सों में स्थित कई वन क्षेत्र पारम्परिक रूप से पहाड़ी क्षेत्र के आदिवासी प्रमुखों और समुदायों के हुआ करते थे और उन्हें एकतरफा फैसले में असम राज्य को दे दिया गया था। उल्लेखनीय है कि अरुणाचल प्रदेश को 1972 में केन्द्रशासित प्रदेश घोषित किया गया था। अब शेष बचे 52 गांवों में से 49 गांवों की सीमाओं का निर्णय आने वाले छह महीनों में कर लिया जाएगा। यह मसला क्षेत्रीय समितियों द्वारा निश्चित किया जाएगा। इस मामले में अब दोनों राज्य कोई नया दावा प्रस्तुत नहीं करेंगे। उल्लेखनीय है कि असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच अंतर्राज्यीय सीमा विवाद वर्ष 1972 में शुरू हुआ था। इसी वर्ष असम से अरुणाचल अलग हुआ था। वर्ष 1972 से लेकर वर्ष 1979 तक की अवधि में 396 किलोमीटर की सीमा तय हो गई थी लेकिन सर्वे को लेकर विवाद हो गया और काम रुक गया। दरअसल, अरुणाचल प्रदेश असम के 1000 वर्ग किलोमीटर मैदानी क्षेत्र पर अपना दावा जता रहा था। अलग राज्य बनाए जाने में वर्ष 1951 के एक नोटिफिकेशन को लागू किया गया था। इस पर अरुणाचल प्रदेश को एतराज था। वर्ष 1951 में तत्कालीन केन्द्र सरकार ने बोरदोलोई समिति का गठन किया था। इस कमेटी ने 3648 वर्ग किलोमीटर का मैदानी क्षेत्र यानी कि वर्तमान समय के जानोई, धेमाजी व दरांग जिलों को असम में स्थानांतरित करने का सुझाव दिया था। इस संबंध में अरुणाचल प्रदेश का कहना था कि इस प्रक्रिया में उसकी सलाह नहीं ली गई और जिन इलाकों को असम में स्थानांतरित किए जाने की बात कही गयी उनके रीति-रिवाज अरुणाचल के ही हैं। असम और अरुणाचल प्रदेश के सीमा विवाद को सुलझाने के लिए वर्ष 1979 में दोनों प्रदेशों की सरकारों ने एक संयुक्त कमेटी बनाई थी परन्तु यह कमेटी इस विवाद का कोई हल नहीं निकाल पाई। इसके बाद सन् 1983 में अरुणाचल प्रदेश ने असम राज्य को एक प्रस्ताव भेजकर 956 वर्ग किलोमीटर जमीन मांगी। वर्ष 1989 में असम सरकार ने इस मसले को लेकर सर्वोच्च न्यायालय में सिविल मुकदमा दाखिल किया। कालांतर में वर्ष 2007 में तरुण चटर्जी कमीशन के सामने अरुणाचल प्रदेश ने अपने प्रपोजल में जमीन का दावा 956 वर्ग किलोमीटर से बढ़ाकर 1119.2 वर्ग किलोमीटर कर दिया। इससे मामला फिर उलझ गया। वर्ष 2009 में असम राज्य ने अरुणाचल प्रदेश का दावा खारिज कर दिया। दरअसल, चटर्जी कमीशन अरुणाचल प्रदेश के दावे को कुछ हद तक स्वीकार करने का इच्छुक था। इसके बाद दोनों राज्यों का तनाव बरकरार रहा। अब असम तथा

अरुणाचल राज्यों के बीच तकरीबन पांच दशक से चले आ रहे सीमा विवाद के समाधान किए जाने के बाद अब यह आशा की जानी चाहिए कि भविष्य में दोनों राज्य इस मुद्दे से आगे बढ़कर अपने इलाकों में अन्य समस्याओं का हल खोजकर अपने-अपने राज्यों के विकास की तरफ ध्यान देंगे।

महिला खिलाड़ी होते हुए भी नहीं समझा महिला खिलाड़ियों का दर्द

(लेखक-सनत जैन)

अर्जुन पुरस्कार विजेता 4स्वर्ण और 7 रजत पदक सहित 101 अवार्ड जीतने वाली पीटी उषा कभी खिलाड़ी रहीं होंगी। तब वह खिलाड़ियों का दर्द बयां करती थी। खिलाड़ियों को किस-किस तरह की की परेशानी होती है। कैसे उनका शोषण होता है। यह बताते हुए उनका मुंह नहीं थकता था। समय बदला, समय के साथ-साथ पीटी उषा भी बदल गई हैं। पहले वह खेल की दुनिया में अपना परचम फैलाने के लिए लड़ाई लड़ रही थी। जब परचम फैल गया, तो महिला खिलाड़ियों का शोषण उन्हें नजर नहीं आ रहा है। जिन समस्याओं का उल्लेख वह 1985 से लेकर 2000 तक खिलाड़ियों की पीड़ा का वर्णन करती थी। अब सत्ता के नशा और सत्ता के अहंकार में, उन्हें महिला खिलाड़ी भारत की छवि खराब करती हुई नजर आ रही हैं। जिन महिला खिलाड़ियों ने कुस्ती संघ के अध्यक्ष सांसद बृजभूषण सिंह पर यौन शोषण के आरोप लगाए हैं। आरोप लगाने वाली महिला खिलाड़ी भी अंतरराष्ट्रीय मेडल जीतकर भारत की शान सारी दुनिया में बढ़ा चुकी हैं पीटी उषा ने महिला पहलवानों के यौन शोषण के विरोध को घोर अनुशासनहीनता बताया है। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष होते हुए उन्होंने कार्यकारी समिति की बैठक में महिला खिलाड़ियों को, भारत की छवि खराब करने वाला बता दिया। उनके हिसाब से यौन शोषण का विरोध करना और सरकार द्वारा महीनों उनके आरोपों में कार्यवाही नहीं करना, खेल संघों द्वारा मौन साध लेना, भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष होते हुए उन्हें महिला खिलाड़ी के आरोप पिछले कई महीनों से उन्हें नहीं दिखे। जब खिलाड़ी जंतर मंतर पर जाकर धरने पर बैठ गए। तब पीटी उषा कह रही हैं, की कुश्ती संघ के खिलाड़ियों को एथलीट आयोग में आकर शिकायत करनी चाहिए थी। कुश्ती और एथलीट का अंतर भी शायद पीटी उषा राजनेता बनकर भूल चुकी हैं। पीटी उषा को राष्ट्रपति ने 6 जुलाई 2022 को खेल कोटे से राज्यसभा का सदस्य नामांकित किया है। निश्चित रूप से उनके ऊपर सरकार की कृपा है। राज्यसभा सदस्य बनने के बाद 8 दिसंबर 2022 को वह निर्विरोध ओलंपिक संघ की अध्यक्ष भी चुन ली गई। राज्यसभा की सदस्य बनते ही उन्हें राज्यसभा के उपाध्यक्ष पैनल में भी चुन लिया गया। रही-सही कसर केरल राज्य में भारतीय जनता पार्टी अपना वर्चस्व बढ़ाने के प्रयास में लगी हुई है। पीटी उषा के रूप में उन्हें केरल में एक ऐसी शख्सियत मिल गई है। जिसके सहारे भाजपा केरल में अपना जनाधार बढ़ा सकती है। पीटी उषा अब दरबारी बन चुकी हैं। सत्ता का नशा दरबारी के सिर पर चढ़कर बोलता है। जो भी उन्होंने बोला है, निश्चित रूप से सत्ता के दबाव में बोलना उनकी मजबूरी है। कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ महिला पहलवानों के यौन शोषण की शिकायत, कई महीनों से विभिन्न मंचों से जांच की मांग हो रही है। खेल मंत्रालय ने 3 माह पहले दो-दो कमेटियां आरोपों की जॉच के लिए गठित की गई हैं। उसके बाद भी महिला खिलाड़ी होते हुए भी, महिलाओं के पक्ष में पीटी उषा जी सामने नहीं आई। उल्टा वह कह रही हैं, कि महिला खिलाड़ियों को उनके पास आकर शिकायत करनी चाहिए थी। महिला खिलाड़ियों ने उन्हें फोन किया, उन्होंने फोन भी नहीं उठाया, यह महिला खिलाड़ियों द्वारा कहा जा रहा है। बृजभूषण शरण सिंह भाजपा के सांसद है। सरकार ने पीटी उषा को खेल कोटे से राज्यसभा का सांसद बनाया है। उनकी निष्ठा सरकार के साथ होना उनके अस्तित्व के लिए बहुत जरूरी है। पीटी उषा अब खिलाड़ी नहीं रही। खिलाड़ी से वह राजनेता बन चुकी हैं। राजनीति के गलियारों में केरल के मुख्यमंत्री की दौड़ में उनका भी नाम चर्चाओं में आने लगा है। ऐसी स्थिति में महिला खिलाड़ियों की इज्जत और खेल संघों की औकात उनकी नजर में क्या हो सकती है। यह साफ-साफ दिख रहा है।

पीटी उषा ने धधकती हुई आग में हाथ डालने का काम किया है। पिछले 40 वर्षों में खेल की दुनिया में रहते हुए उन्हें जो सम्मान मिला हुआ था। राज्यसभा का सदस्य बनने के बाद और केरल के मुख्यमंत्री बनने के सपने ने महिला खिलाड़ियों का जो अपमान किया है। उससे उनका सम्मान सारे देश और दुनिया में बना था, वह सम्मान उन्होंने अब खो दिया है।

जब बच्चे बाथ टब में नहाते हैं तो सभी को अच्छा लगता है। आप भी अपने बच्चों को बाथ टब में नहलाइये फिर देखिए कितना आनंद आता है।

बाथ टब में नहाओ

बच्चों को अगर पानी मिल जाए तो बात ही क्या है। ऐसा कोई बच्चा नहीं होता जिसे पानी में छई-छप-छई करना अच्छा नहीं लगता। समय के अभाव में हम सभी को रोज-रोज बच्चों को वॉटर पार्क ले जाने का भी समय नहीं निकलता। ऐसे में बच्चों के फेवरेट कार्टून कैरेक्टर में अगर पानी के बड़े-बड़े टब मिल जाएं तो क्या कहने। इससे खेलने का खेलना भी हो जाता है और बाहर भी नहीं निकलना पड़ता। यह बाथिंग टब आपको कहीं भी मिल जाएंगे। इन दिनों बच्चों के रंगीन बाथिंग टब को आप सड़क किनारे कहीं भी देख सकते हैं। इन रंगीन टब को देखते ही बच्चों के चेहरे खिल जाते हैं।

बाथ टब के फायदे

बाथ टब में नहाने से एक तो बच्चों को पानी में छपा-छई करने का मौका मिलता है वहीं दूसरी ओर अपने फेवरेट कार्टून केरेक्टर के साथ खेलने का भी। एक तरह से यह मिनी स्विमिंग पुल होता है। बाथ टब में नहाकर छोटे बच्चे घर में ही वॉटरपार्क का लुत्फ उठा सकते हैं। बाजार में आपको बाथ टब 400 रुपए के शुरुआती दाम से 1500 रुपए तक की कीमत में आसानी से मिल जाएगा। घर में यह टब होने से आपके बच्चे मनभर कर पानी खेल सकते हैं। इन टब को आप अपने घर के स्पेस के अनुसार खरीद सकते हैं। साथ ही फोल्डेबल होने पर इन्हें आप उठा कर रख भी सकते हैं।

क्या आप जानते हैं?

मधुमक्खी के एक छत्ते में 20,000 से 80,000 तक मधुमक्खियां हो सकती हैं।

चंदबरदाई को हिन्दी का पहला कवि और उनकी रचना पृथ्वीराज रासो को हिन्दी की पहली रचना होने का गौरव प्राप्त है।

दुनिया में चीनी का वार्षिक उत्पादन 13.4 मीट्रिक टन होता है जब कि नमक का 21 करोड़ टन, यानी चीनी से डेढ़ गुना ज्यादा।

नील नदी की लंबाई (650 किलोमीटर) पृथ्वी की त्रिज्या (6400 किलोमीटर) से भी अधिक है। अभी नए अनुसंधानों से पता लगा है कि आमेजन इससे भी ज्यादा लंबी नदी है।

भारतीय मसालों के लोकप्रिय निर्माता और निर्यातक प्रतिष्ठान एमडीएच का पूरा नाम महाशियां दी हट्टी है।

संयुक्त अरब अमीरात की जनसंख्या में प्रवासी नागरिकों का प्रतिशत 85 है, जिनमें 40 प्रतिशत लोग भारतीय हैं।

कर्नाटक के हरिहर नगर स्थित हरिहरेश्वर मंदिर की प्रतिमा आधी विष्णु और आधी शिव के रूप में हैं।

तेनाली राम के किस्से

जासूस सेवक

राजा कृष्णदेव की सेना ने कई राज्यों को अपने अधीन कर लिया था। उनके वर्चस्व से घबराकर बीजापुर के सुल्तान ने अपने एक सेवक को जासूस बनाकर विजयनगर भेजा। उस जासूस की योजना थी कि राजमहल में ही राजा की हत्या कर दी जाए। इसके लिए ब्राह्मण का भेष धरा। राजमहल में दरबार लगा था। तिलकधारी ब्राह्मण धारा-प्रवाह संस्कृत के श्लोकों से सभी को प्रभावित कर रहा था। कृष्णदेव तो इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने ब्राह्मण को अपने महल में ही ठहरने का स्थान दे दिया। तेनाली को यह सब उचित नहीं लगा। वे उस समय तो कुछ नहीं बोला मगर उस ब्राह्मण पर नजर रखने लगा। कुछ ही दिनों में तेनाली को ऐसा संकेत मिल गया कि वह ब्राह्मण राजा के विषय में व्यक्तिगत जानकारियां ले रहा है। तेनाली ने राजा को सचेत किया। एक बार ब्राह्मण की अनुपस्थिति में उसके कमरे की सफाई करते समय तेनाली भी वहां मौजूद था। उसने देखा और पूरा विश्वास हो गया कि यह ब्राह्मण के भेष में कोई जासूस है। तेनाली ने राजा से कहा-महाराज! ब्राह्मण, ब्राह्मण नहीं है।' राजा ने पूछा-'क्या मतलब?' 'यही कि महाराज यह कोई अन्य धर्म का मानने वाला है। यह आपसे छल कर रहा है,' तेनाली बोला। 'यदि तुम यह सिद्ध कर दो तो तुम्हें पुरस्कार मिलेगा', राजा ने कहा। उसी दिन तेनाली और राजा ने रात के समय उस ब्राह्मण के कमरे में प्रवेश किया। एक सैनिक भी उनके साथ था जिसके हाथ में गरम पानी की बाल्टी थी। तेनाली के आदेश पर सैनिक ने गरम पानी की बाल्टी को ब्राह्मण पर उड़ेल दिया। वह लगा उछलने और 'अल्लाह-अल्लाह' चिल्लाने लगा। राजा समझ गए यह बीजापुर के सुल्तान का जासूस है जो भेष बदलकर यहां छिपा हुआ था। राजा को देखते ही जासूस ने उन पर वार किया जिसे राजा के सैनिक ने अपनी तलवार पर रोक लिया। राजा ने एक ही वार से जासूस का वध कर दिया। अगली प्रातः पूरे नगर में चर्चा थी कि तेनाली के कारण राजा की जान बच गयी।

मिक्की और डोनाल्ड सिखाएंगे अंग्रेजी

डिजनी के फेमस कार्टून कैरेक्टर मिक्की माउस और डोनाल्ड डक अब सिर्फ बच्चों का मनोरंजन ही नहीं करेंगे, बल्कि उन्हें शिक्षा भी देंगे। मिक्की माउस और डोनाल्ड डक को चीन के बच्चों को अंग्रेजी सीखाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। फेवरेट कार्टून कैरेक्टर के जरिए हर साल तकरीबन डेढ़ लाख बच्चों को अंग्रेजी सिखाने का लक्ष्य रखा गया है। डिजनी पब्लिशिंग वर्ल्डवाइड के रसेल हैम्पटन ने बताया कि कार्टून कैरेक्टर से अंग्रेजी सिखाने का फंडा काफी लाभदायक साबित हो रहा है। दुनिया भर में चीन में सबसे अधिक अंग्रेजी शिक्षण के प्राइवेट सेक्टर खुल रहे हैं। इसलिए प्रारंभिक तौर पर चीन के बच्चों को कार्टून कैरेक्टर के माध्यम से अंग्रेजी सिखाने का प्रोजक्ट शुरू किया गया है। अंग्रेजी के बढ़ते चलन के कारण बच्चों को इसका ज्ञान देना पैरेंट्स के लिए जरूरी हो गया। आमतौर पर अंग्रेजी के ट्यूशन पर काफी खर्चा आता है और इसके साथ ही बच्चों को घर से बाहर भी जाना पड़ता है, लेकिन अब कार्टून कैरेक्टर के जरिए बच्चे बिना किसी खर्च के घर बैठे अंग्रेजी सीख पाएंगे। इससे बच्चों और उनके पैरेंट्स दोनों को काफी सहूलियत होगी।

इन बातों का रखो ध्यान

तुम किसी के भी घर जाते हो तो सबसे पहले वहां के लोग तुम्हारी एक्टिविटीज से तुम्हारे बेसिक मैनर्स को समझ जाते हैं। तभी तो कई लोगों को तुमने कहते सुना होगा कि वह बच्चा कितना समझदार है, उसके पेरेंट्स ने उसे कितने अच्छे मैनर्स सिखाएं हैं। इसलिए यह जरूरी है कि तुम्हें भी सभी बेसिक मैनर्स आएं, जिससे सब तुम्हारी और तुम्हारे मम्मी-पापा की तारीफ करें। तो कहीं भी जाओ, इन बातों का ध्यान रखो-

अगर किसी के कमरे का दरवाजा बंद है तो पहले दरवाजे पर नॉक करो और जवाब आने का इंतजार करो, फिर ही कमरे में घुसो।

अगर तुम्हें किसी से कुछ लेना है तो पहले सामने वाले से पूछो। खुद से उस वस्तु को मत उठा लो। हां, उसे वह चीज वापस करने का वादा भी करो। इस बात का भी ध्यान रखना कि टाइम पर चीज को वापस कर दो।

किसी की परमिशन के बिना उसकी पर्सनल चीजों को मत छेड़ो या खोलकर देखो। ये बहुत ही बुरी आदत मानी जाती है।

किसी की डायरी या खत मत पढ़ो।

घर की बातों को घर में ही रखो। अगर मम्मी-पापा के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई है या घर का बिजनेस ठीक नहीं चल रहा है या आपका भाई पढ़ने में अच्छा नहीं है, इस तरह की बातों को दूसरे के सामने मत बोलो।

सबसे जरूरी है कि अपना काम खुद ही करो। बाथरूम, टॉयलेट, किचन और टीवी रूम से निकलने से पहले उसे पहले की तरह साफ करके निकलो। पूरे घर में जूठे बर्तन मत फैलाओ। अपनी भीगी तौलिया खुद धूप में डालो।

पब्लिक प्लेस पर किसी का मजाक मत उड़ाओ। इससे सामने वाले को बहुत दुख होता है। मजाक उड़ाने से पहले ये जरूर सोचो कि अगर कोई तुम्हारा मजाक बनाएगा तो तुम्हें कैसा लगेगा।

कृत्रिम पत्ती बनाएगी बिजली

मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के वैज्ञानिकों के दल ने सिलिकॉन, इलेक्ट्रॉनिक्स, निकल और कोबाल्ट जैसे विभिन्न उत्प्रेरकों की सहायता से एक ऐसी कृत्रिम पत्ती का निर्माण किया है, जो सूरज की रोशनी और पानी से ऊर्जा पैदा करती है।

दरअसल, यह पत्ती सूरज की रोशनी का इस्तेमाल करके पानी को उसके घटकों हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में तोड़ देती है, जिनका इस्तेमाल बिजली पैदा करने में किया जा सकता है। इन पत्तियों की सहायता से भारत जैसे विकासशील देश में एक घर की प्राथमिकता जरूरत भर की बिजली पैदा की जा सकती है।

जरूरत की बिजली

इस दल का लक्ष्य अब कम से कम कीमत वाला एक ऐसा उपकरण बनाने का है, जिसे कोई भी अपने घर की छत पर या आसपास लगाकर प्राथमिक जरूरत की बिजली प्राप्त कर सके। जापान में सुनामी आने के बाद जिस तरह परमाणु विकिरण फैला, उससे सभी देशों में परमाणु संयंत्रों के खतरे को लेकर चीख पुकार मची हुई है और जर्मनी जैसे देशों ने तो परमाणु संयंत्रों की स्थापना को लेकर अपने कान पकड़ लिए है। इस पृष्ठभूमि में नई खोज एक वरदान की तरह सामने आई है।

खतरा भी ज्यादा

कोयले के भंडारों के कम होने और जल विद्युत के उत्पादन से होने वाले नुकसान, बल्कि पर्यावरणीय खतरे को ध्यान में रखते हुए दुनिया परमाणु ऊर्जा के विकल्प की ओर गई है, जो अपेक्षा स्वच्छ मानी जाती है, लेकिन इसका खतरा सभी तरह से ऊर्जा के मुकाबले कहीं ज्यादा है। ऐसे में सौर ऊर्जा ओर पवन ऊर्जा जैसे वैकल्पिक स्त्रोतों पर दुनिया भर में ध्यान दिया जा रहा है।

बदल जाएगी किस्मत

कृत्रिम पत्ती के जरिए इस तरह वैकल्पिक ऊर्जा तैयार करने से दुनिया की किस्मत बदल जाएगी और तेज गति से आर्थिक विकास कर रहे भारत और चीन को तो सुदूर बसे अपने गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की दृष्टि से खास फायदा होगा। तब गांव-कस्बे के हर घर का अपना पावर-हाउस होगा। आकाश में बिजली के तड़कने से ही इतनी बिजली पैदा होती है कि दुनिया को उसका संरक्षण करना आ जाए तो वर्षों तक बिजली की कमी नहीं रहेगी।

ओला इलेक्ट्रिक स्कूटर बिक्री के मामले में टॉप

-इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदते वक्त जरूर रखना ये ध्यान

नई दिल्ली । पिछले कुछ सालों में कई बड़ी और पॉपुलर कंपनियों समेत नई कंपनियों में अपने नए स्कूटर लॉन्च किए हैं। इसमें ओला, एथर और एम्पियर इलेक्ट्रिक समेत कई कंपनियां है। फिलहाल ओला इलेक्ट्रिक बिक्री के मामले में टॉप पर रही है। आप भी पेट्रोल के खर्च से छुटकारा पाने के लिए इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो आपको कुछ बातों को ध्यान में रखने की जरूरत है, क्योंकि इलेक्ट्रिक वाहन फिलहाल एक नई टेक्नोलॉजी है। इन वाहनों की बारे में अभी ज्यादातर लोगों की सही जानकारी नहीं है। ऐसे में जरूरी है कि इलेक्ट्रिक स्कूटर खरीदते वक्त उन सभी बातों का ध्यान में रखा जाए जो बाद में किसी तरह मुसीबत न पैदा करे। यहां आपको कुछ ऐसी ही टिप्स देने जा रहे हैं। किसी भी इलेक्ट्रिक वाहन का सबसे महंगा पार्ट इसकी बैटरी है। इसलिए स्कूटर खरीदने से पहले उसकी बैटरी की क्षमता के साथ-साथ क्वालिटी और ब्रांड के बारे में भी जानकारी लेना चाहिए। इसके अलावा हर कंपनी बैटरी पर वारंटी भी देती है, इसलिए पता करना चाहिए कि बैटरी की वारंटी कितने साल या किलोमीटर के लिए मिल रही है। देश में पिछले साल इलेक्ट्रिक स्कूटरों में आग लगने की कई घटनाएं सामने आईं थीं। कई स्कूटरों में चार्जिंग के दौरान आग भी लगी थी। इसके बाद सरकार की सख्ती और कंपनियों ने सुधार करते हुए स्कूटरों में आग या विस्फोट को रोकने के लिए कई सेफ्टी फीचर्स देना शुरू कर दिए हैं। ऐसे में पता करना चाहिए कि आप जिस स्कूटर को खरीद रहे हैं उसमें पर्याप्त सेफ्टी है या नहीं। इलेक्ट्रिक वाहन का मुख्य आकर्षण उसकी रेंज हैं। क्योंकि कोई भी इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने से पहले उसकी रेंज के बारे में ही पूछा जाता है।

ऐसे में जरूर है कि जिस स्कूटर को आप खरीदने वाले हैं उसकी दावा की गई रेंज और वास्तविक रेंज का पता कर लें। वास्तविक रेंज के लिए किसी पुराने कस्टमर से फीडबैक ले सकते हैं या ऑनलाइन भी फीडबैक देखने को मिल जाते हैं। रेंज के साथ-साथ सबसे बड़ा सवाल जो किसी भी इलेक्ट्रिक स्कूटर को खरीदते वक्त पूछा जाना चाहिए वह ये है कि बैटरी को फुल चार्ज करने में कितना वक्त लगता है। यह स्कूटर फास्ट चार्जिंग को सपोर्ट करता है या नहीं।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 584.24 बिलियन डॉलर

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 21 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 2.164 बिलियन डॉलर घटकर 584.248 बिलियन डॉलर रह गया। पिछले समीक्षाधीन सप्ताह में कुल कोष 1.657 अरब डॉलर बढ़कर 586.412 अरब डॉलर हो गया था। अक्टूबर 2021 में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 645 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। समीक्षाधीन अवधि में मुख्य रूप से विदेशी मुद्रा संपत्ति के 2.146 बिलियन डॉलर घटकर 514.489 बिलियन डॉलर होने के कारण भंडार गिर गया। रिजर्व में गिरावट आ रही है, जैसा कि मुख्य रूप से वैश्विक विकास के कारण दबाव के बीच आरबीआई ने रुपए की रक्षा के लिए धन का उपयोग किया है।

पीएनबी ने 129वें स्थापना दिवस के मौके पर नया कस्टमर केयर नंबर जारी किया

मुंबई । पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने अपने 129वें स्थापना दिवस के मौके पर ग्राहकों के लिए नया कस्टमर केयर नंबर जारी किया है। पीएनबी ने 1800-1800 और 1800-2021 नंबर को लांच किया है। पीएनबी ने कहा कि नया टोल-फ्री कस्टमर केयर नंबर जारी करने का मकसद ग्राहकों को कस्टमर केयर टीम से संपर्क करने पर एक सहज और परेशानी मुक्त अनुभव प्रदान करना है। नए कस्टमर केयर नंबर-1800-1800 और 1800-2021 सातों दिन और चौबीसों घंटे उपलब्ध होगा। इसके अलावा ग्राहकों की सुविधा के लिए इन नंबर पर कई भाषाओं की सुविधा भी मिलेगी। ग्राहक इस नंबर का उपयोग अपने खाते की शेष राशि और पिछले लेन-देन की जानकारी प्राप्त करने, डेबिट कार्ड जारी करने/ब्लॉक करने और बैंक द्वारा प्रदान की जाने वाली अन्य प्रमुख सेवाओं का लाभ उठाने के लिए कर सकते हैं। पीएनबी ने कहा कि वे बैंक की कस्टमर केयर टीम के पास अपनी शिकायतें और सवाल भी दर्ज करा सकते हैं। बैंक ने मोबाइल बैंकिंग एप पीएनबी वन, पीएबीएल (पूर्व-अनुमोदित व्यवसाय ऋण), केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी), जनसमर्थ पोर्टल के माध्यम से डिजिटल केसीसी, टीएबी और वीडियो-केवाईसी, पीएनबी ईस्वर और पीएनबी मेटावर्स के माध्यम से चालू खाता खोलने जैसे ई-मार्केटप्लेस और तत्काल क्यूआर जैसे अन्य उत्पाद भी पेश किए।

आवास ऋण में 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी

मुंबई । कुल आवास ऋण मार्च के ओ खिर में सालाना आधार पर 15 प्रतिशत बढ़कर 19.36 लाख करोड़ रुपए रहा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, आरबीआई द्वारा पिछले वर्ष मई से लगातार ब्याज दर बढ़ाने का इस पर कोई प्रतिकूल असर पड़ता नहीं दिखा है। आंकड़ों के अनुसार मार्च, 2022 में आवास ऋण 12.9 प्रतिशत सालाना वृद्धि के साथ 16.84 लाख करोड़ रुपए रहा जबकि मार्च, 2021 में आवास पर कर्ज 14.92 लाख करोड़ रहा था। आरबीआई मई, 2022 के बाद से नीतिगत दर रेपो में 2.5 प्रतिशत वृद्धि कर चुका है, जिसे आवासीय संपत्ति खरीदने समेत सभी प्रकार के ऋण पर ब्याज दर बढ़ गई है। बैंक ऋण को लेकर आंकड़े जारी करते हुए केंद्रीय बैंक ने कहा कि व्यक्तिगत ऋण में मार्च 2023 में सालाना आधार पर 20.6 प्रतिशत वृद्धि हुई, जबकि पिछले वर्ष समान समय में यह 12.6 प्रतिशत रही थी। आंकड़ों के अनुसार मार्च, 2023 में उद्योगों को कर्ज में सालाना आधार पर 5.7 प्रतिशत वृद्धि हुई जबकि मार्च, 2022 में यह 7.5 प्रतिशत रही थी।

खाद्य कंपनियों के भ्रामक विज्ञापन के 32 मामले दर्ज: नियामक

नई दिल्ली । खाद्य नियामक एफएसएसएआई ने कहा कि खाद्य व्यवसाय परिचालकों (एफबीओ) के भ्रामक विज्ञापनों एवं दावों में संलिप्त होने के 32 नए मामले सामने आए हैं। भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने एक बयान में कहा कि गलत दावों और वैज्ञानिक रूप से सिद्ध न होने वाले दावों को वापस लेने के लिए लाइसेंस-प्रदाता संस्थाओं को संबंधित एफबीओ को नोटिस भेजने का निर्देश दिया गया है। भ्रामक विज्ञापन देने वाले एफबीओ में पौष्टिक तत्वों से भरे उत्पाद, रिफाइंड तेल, दाल, आटा, मोटे अनाज से बने उत्पाद और घी बनाने वाले एवं विपणनकर्ता शामिल हैं। बयान के मुताबिक एफएसएसएआई की विज्ञापन निगरानी समिति ने पहली नजर में एफबीओ के भ्रामक विज्ञापन एवं दावे से जुड़े होने के 32 मामले दर्ज किए हैं। इन पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक (विज्ञापन एवं दावा) नियमन, 2018 के प्रावधानों के उल्लंघन के आरोप हैं। खाद्य नियामक ने आगे की कार्रवाई के लिए संबंधित एफबीओ को नोटिस भेजने का निर्देश लाइसेंस प्रदाताओं को दिया है।

विश्व बैंक ने बांग्लादेश के लिए 1.25 बिलियन डॉलर मंजूर किए

ढाका।

विश्व बैंक ने 2023 से 2027 तक बांग्लादेश के लिए तीन नई परियोजनाओं में 1.25 बिलियन डॉलर के वित्तपोषण को मंजूरी दी। बैंक ने कहा कि वह पोषण, उद्यमिता और लचीलापन के लिए कृषि और ग्रामीण परिवर्तन पर पार्टनर नामक कार्यक्रम के लिए 500 मिलियन डॉलर प्रदान करेगा। ऋणदाता ने एक बयान में कहा कि एक और 500 मिलियन डॉलर पहले हरित और जलवायु अनुकूल विकास ऋण के रूप में आएंगे, जो देश को हरित और जलवायु-लचीले विकास के लिए संक्रमण में मदद करेगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सूक्ष्म उद्यम क्षेत्र को अधिक गतिशील, कम प्रदूषणकारी, संसाधन-कुशल और जलवायु अनुकूल विकास क्षेत्र में बदलने में मदद करने के लिए माइक्रोएंटरप्राइज पर एक परियोजना के लिए 250 मिलियन डॉलर की मंजूरी दी गई है। बांग्लादेश और भूटान के लिए विश्व बैंक के कंट्री निदेशक अब्दुलाये सेक ने कहा` कि यह कंट्री पार्टनरशिप फ्रेमवर्क विश्व बैंक समूह और बांग्लादेश के बीच पांच दशकों की मजबूत साझेदारी पर आधारित है। सेक ने कहा` कि जैसा कि बांग्लादेश का लक्ष्य अधिक समृद्ध होना है, उसे उच्च-मध्यम-आय वाले देश की जरूरतों को पूरा करने के लिए मजबूत संस्थानों और नीतियों की आवश्यकता होगी। यह सीपीएफ सरकार के सुधार कार्यक्रमों का समर्थन करेगा, ताकि नौकरियां प्रदान की जा सकें और समावेशन और लचीलापन का समर्थन किया जा सके। बांग्लादेश, नेपाल और भूटान के लिए इंटरनेशनल फाइनेंस कॉरपोरेशन के कंट्री मैनेजर मार्टिन होल्टमैन ने कहा` कि बांग्लादेश दुनिया की उत्कृष्ट विकास विकास कहानियों में से एक रहा है। अधिक विविध और प्रतिस्पर्धी निजी क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने के लिए अतिरिक्त सुधारों से निर्यात बढ़ेगा और गुणवत्तापूर्ण नौकरियां पैदा होंगी।

सेबी ने अदाणी समूह पर लगे आरोपों की जांच के लिए और समय मांगा

- समिति के समक्ष रिपोर्ट सौंपे जाने की समयसीमा 2 मई को हो रही है खत्म

मुंबई ।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने अदाणी समूह पर लगे हिंडनबर्ग के आरोपों की जांच करने के लिए और समयसीमा बढ़ाने के लिए कहा है। इसके लिए वह सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दायर कर सकता है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त समिति के समक्ष इस मामले की स्थिति रिपोर्ट सौंपे जाने की समयसीमा 2 मई को खत्म हो रही है। एक सूत्र ने कहा कि सेबी की लीगल टीम स्थिति रिपोर्ट जमा कराने के लिए समयसीमा बढ़ाने की मांग को लेकर शीर्ष अदालत में आवेदन कर सकती है। जांच में शामिल जटिलताओं और रिपोर्ट के मूल्यांकन के लिए सेबी को कुछ और वक्त की दरकरार है। उक्त शख्स ने कहा कि बाजार नियामक इस मामले में अब तक की प्रगति से अदालत को अवगत करा सकता है और जांच पूरी करने के लिए अधिक समय की मांग के पीछे वाजिब तर्क दे सकता है। इस बारे में जानकारी के लिए सेबी को ईमेल किया गया था लेकिन खबर लिखे जाने तक कोई जवाब नहीं आया। सेबी से जुड़े एक अन्य सूत्र ने कहा कि अदाणी समूह की विदेश में स्थित इकाइयों के बारे में अहम जानकारी पूरी तरह से उपलब्ध नहीं है। यह जानकारी और संबंधित डेटा इस जांच में अहम साबित हो सकते हैं। इसलिए नियामक यह सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त समय मांग सकता है कि जांच के निष्कर्ष सटीक और शीर्ष अदालत द्वारा निर्धारित दायरे के अनुरूप हों। समझा जाता है कि सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश एएम सप्रे की अध्यक्षता वाली 6 सदस्यीय समिति इस हफ्ते की शुरुआत में सेबी मुख्यालय पहुंची थी। सूत्रों के मुतो बिक उन्हें मामले की प्रगति से अवगत कराया गया और उनकी प्रतिक्रिया भी ली गई। सेबी इस विषय पर लगातार काम कर रहा है। न्यायालय ने इस मामले में स्थिति रिपोर्ट सौंपने के लिए केवल दो महीने का समय दिया है। यह मामला भारत और दूसरे देशों की नियामकीय इकाइयों से सूचनाएं मंगाने से जुड़ा है। इस मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने नाम सार्वजनिक नहीं करने की शर्त पर बताया कि विदेशी न्यायाधिकार क्षेत्र और संरक्षकों से विदेशी फंडों के लाभकारी मालिकाना हक से संबंधित जानकारी प्राप्त करना जितना समझा गया था उससे कहीं अधिक कठिन साबित हो रहा है।

मुंबई में अप्रैल में स्टाम्प शुल्क संग्रह दशक के उच्चतम स्तर पर: रिपोर्ट

मुंबई ।

मुंबई महानगर क्षेत्र में अप्रैल 2023 में कुल 9,867 अचल (आवासीय एवं गैर आवासीय) सम्पत्तियों के पंजीकरण कराए गए जिनसे राज्य सरकार को 840 करोड़ करोड़ रुपए का स्टाम्प शुल्क प्राप्त हुआ। यह जानकारी एक रियल एस्टेट कंसल्टेंसी कंपनी की एक रिपोर्ट में दी गई है। इस रिपोर्ट के अनुसार बृहन्मुंबई महानगर क्षेत्र में प्रॉपर्टी पंजीकरण पर स्टाम्प शुल्क संग्रह का पिछले 10 वर्षों का अप्रैल महीने का रिकॉर्ड है। रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल में पंजीकृत कराई गई कुल संपत्तियों में से पंजीकृत 83 प्रतिशत आवासीय और 17 प्रतिशत गैर-आवासीय संपत्तियां हैं। रिपोर्ट के अनुसार राजस्व में वृद्धि स्टाम्प शुल्क दर में वृद्धि और उच्च-मूल्य वाली संपत्तियों के लेनदेन में वृद्धि के कारण हुई है। अप्रैल 2023 में दैनिक औसत संपत्ति पंजीकरण 352 इकाइयां रहा। इस मामले में यह अप्रैल 2022 के बाद पिछले दस वर्षों में दूसरा सबसे अच्छा अप्रैल रहा। हालांकि, अप्रैल 2023 में कुल पंजीकरण 9,867 था जो एक साल पहले इसी माह से 16 प्रतिशत कम है।

रिपोर्ट के अनुसार यह गिरावट मोटे तौर पर दो कारणों से दिखी जिसमें एक कारण अप्रैल 2022 की ऊंची संख्या से तुलना का प्रभाव है। दूसरे पिछले 10 में से आठ वर्षों में अप्रैल के महीने में मार्च के मुकाबले पंजीकरण में गिरावट का रुझान देखा गया है। अप्रैल 2013-23 के 10 वर्षों में मुंबई ने 800,000 संपत्तियों की बिक्री दर्ज की है। इनमें से 40 प्रतिशत सम्पत्तियों (अनुमानित 318,000 यूनिट) का पंजीकरण सितंबर 2020 से कराया गया है सरकार की ओर से स्टाम्प ड्यूटी में रियात का उत्प्रेरक तत्व पेश किया गया। उन्होंने कहा कि स्टाम्प शुल्क की दर को पुनः ऐतिहासिक छह प्रतिशत उच्च स्तर तक बढ़ाए जाने के बावजूद अब भी सम्पत्तियों के लेनदेन की रफ्तार बनी हुई है। मुंबई में अप्रैल 2022 से अप्रैल 2023 के बीच 128,427 संपत्तियों का पंजीकरण हुआ जो पिछले 10 वर्षों में पंजीकृत सभी संपत्तियों का लगभग 16 प्रतिशत है।

ईडी ने बायजूस के सीईओ के दफ्तर और आवास पर छापे मारे

नई दिल्ली ।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शिक्षा प्रौद्योगिकी क्षेत्र की बड़ी कंपनी बायजूस के ख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) रवींद्रन बायजू के बेंगलुरु स्थित कार्यालय और आवासीय परिसर पर छापे मारे तथा वहां से आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजीटल डेटा जब्त किया। ईडी ने बताया कि विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के प्रावधानों के तहत हाल में कुल तीन परिसरों-दो कारोबारी और एक रिहायशी परिसर पर छापे मारे गए। जांच एजेंसी ने बताया कि उसने विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजीटल डेटा जब्त किए हैं। ईडी ने बताया कि यह कार्रवाई कुछ लोगों से मिली विभिन्न शिकायतों के आधार पर की गई। च एजेंसी ने आरोप लगाया कि रवींद्रन बायजू को कई समन भेजे गए, लेकिन वह बचते रहे और कभी ईडी के समक्ष पेश नहीं हुए। तलाशी के दौरान पाया गया कि रवींद्रन बायजू की कंपनी थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड को 2011 से 2023 के दौरान प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) के तहत करीब 28,000 करोड़ रुपए मिले। एजेंसी ने कहा कि कंपनी ने भी इस अवधि के दौरान प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के नाम पर विभिन्न विदेशी प्राधिकारों को करीब 9,754 करोड़ रुपए भेजे।

जेट एयरवेज के मनोनीत सीईओ ने छोड़ी कंपनी

मुंबई ।

फिर से उड़ानों के संचालन करने का प्रयास कर रही विमानन कंपनी जेट एयरवेज के मनोनीत मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) संजीव कपूर ने बंद पड़ी एयरलाइन से इस्तीफा दे दिया है। कपूर अप्रैल, 2022 में सीईओ के रूप में जेट एयरवेज का हिस्सा बने थे। इसके एक साल बाद वह एक मई से कंपनी से कार्यमुक्त हो रहे हैं। कर्ज समाधान प्रक्रिया के तहत जेट एयरवेज का मालिकाना हक पाने वाले जालान-कालरॉक समूह (जेकेसी) ने कहा कि उन्होंने अपनी नोटिस अवधि पूरी कर ली है। भारी कर्ज में डूबने के बाद जेट एयरवेज ने अप्रैल 2019 में अपना परिचालन बंद कर दिया था और बाद में यह दिवाला कार्यवाही में चली गई थी। जेकेसी ने बाद में इसकी कमान संभाली लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद अब तक एयरलाइन दोबारा शुरू नहीं हो पाई है। जेकेसी ने कहा कि वह जेट एयरवेज को फिर से उड़ान भरने की स्थिति में ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है और कपूर की विदाई के बाद उनकी जिम्मेदारियों को कोई योग्य उम्मीदवार न मिलने तक कार्यकारी समिति ही निभाएगी। गठजोड़ के निदेशक मंडल में शामिल अंकित जालान ने कहा कि जल्द ही जेट एयरवेज के नए सीईओ का ऐलान किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एयरलाइन के दोबारा उड़ान भरने में निर्धारित समय से विलंब हुआ है लेकिन जेकेसी इसके लिए प्रतिबद्ध है।

सेबी ने केएसबीएल और उसके प्रवर्तक पर सात साल का प्रतिबंध लगाया

नई दिल्ली ।

बाजार नियामक सेबी ने कार्वी स्टॉक ब्रोकिंग लिमिटेड (केएसबीएल) और उसके प्रवर्तक कोमांदुर पार्थसारथी को प्रतिभूति बाजार में हिस्सा लेने से सात साल के लिए प्रतिबंधित करने के साथ उन पर 21 करोड़ रुपए का जुर्माना भी लगाया है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने जारी आदेश में कहा कि ग्राहकों की प्रतिभूतियों को गिरवी रखकर जुटाई गई राशि को केएसबीएल ने अपने समूह की फर्मों- कार्वी रियल्टी इंडिया लिमिटेड और कार्वी कैपिटल लिमिटेड में भेज दिया था। कोष को दूसरी फर्मों के पास भेजने का दोषी पाए जाने पर सेबी ने केएसबीएल और पार्थसारथी पर सात साल का प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। इसके अलावा शेयर ब्रोकिंग फर्म पर 13 करोड़ रुपए और उसके प्रवर्तक एवं प्रबंध निदेशक पर आठ करोड़ रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। पार्थसारथी को सेबी ने किसी भी सूचीबद्ध कंपनी में 10 वर्षों तक प्रमुख प्रबंधकीय पद संभालने के अयोग्य भी घोषित कर दिया है। वहीं घटना के समय केएसबीएल के निदेशक रहे भगवान दास नारंग और ज्योति प्रसाद को दो साल के लिए पद संभालने से प्रतिबंधित किया गया है। इसके अलावा बाजार नियामक ने केएसबीएल की तरफ से भेजे गए 1,442.95 करोड़ रुपए लौटाने का निर्देश भी कार्वी रियल्टी और कार्वी कैपिटल को दिया है। उन्हें तीन महीने के भीतर यह राशि केएसबीएल को लौटाने को कहा गया है।

स्विगी से खाना मंगाने पर हर आर्डर पर देने पड़ेंगे 2 रुपए शुल्क

मुंबई ।

अब स्विगी से खाना मंगाने पर आपको हर ऑर्डर पर बतौर प्लेटफॉर्म शुल्क 2 रुपए देने पड़ सकते हैं। फूड एग्रीगेटर प्लेटफॉर्म स्विगी सभी यूजर्स से यह शुल्क वसूलने जा रही है चाहे ऑर्डर बड़ा हो या छोटा। फिलहाल यह शुल्क बेंगलूरु और हैदराबाद में लगाया गया है। बाद में कंपनी अन्य क्षेत्रों में भी इसका विस्तार कर सकती है। छले हफ्ते कई चरणों में शुरू किया गया यह शुल्क फिलहाल केवल फूड डिलिवरी पर ही वसूला जाएगा। स्विगी की क्विक कॉमर्स इकाई इंस्टामार्ट के जरिये मंगाए जाने वाले ऑर्डर पर यह शुल्क नहीं लग रहा है। मगर फूड डिलिवरी में यह स्विगी वन के ग्राहकों पर भी लागू होगा। स्विगी वन कंपनी की सबस्क्रिप्शन योजना है, जिसके सदस्यों से ऑर्डर पर डिलिवरी शुल्क नहीं लिया जाता। स्विगी के प्रवक्ता ने कहा` कि यह प्लेटफॉर्म शुल्क सभी फूड ऑर्डर पर लिया जाने वाला मामूली शुल्क है। इससे हमें अपना प्लेटफॉर्म चलाने और उसे बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। साथ ही इससे उपयोगकर्ताओं को ऐप का बिना दिक्कत अनुभव दिलाने के लिए सुविधाएं बेहतर करने में भी मदद मिलेगी। बेंगलूरु की इस डेकाकॉर्न ने कहा है कि उसके फूड डिलिवरी एवं क्विक कॉमर्स कारोबार को मुनाफे में आने में अनुमान से अधिक समय लग जाएगा। प्लेटफॉर्म शुल्क लगाने से कंपनी को अतिरिक्त आमदनी होगी, जिससे उसे अपने खर्च की कुछ हद तक भरपाई करने में मदद मिलेगी।

कच्चे तेल में तेजी, पटना में पेट्रोल और डीजल महंगा

ब्रेंट क्रूड 1.17 डॉलर की बढ़त के साथ 79.54 डॉलर पर

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में शे निवार को तेजी देखी जा रही है। डब्ल्यूटीआई क्रूड 2.02 डॉलर बढ़कर 76.78 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं ब्रेंट क्रूड 1.17 डॉलर की बढ़त के साथ 79.54 डॉलर पर कारोबार कर रहा है। बिहार में पेट्रोल 51 पैसे और डीजल 48 पैसे महंगा हो गया है। हिमाचल में कीमत में क्रमशः 34 और 31 पैसे का इजाफा दिख रहा है। महाराष्ट्र में पेट्रोल 39 और डीजल 38 पैसे बढ़ गया है। तमिलनाडु. तेलंगाना व केरल में भी ईंधन के दाम बढ़े हुए दिख रहे हैं। दूसरी ओर पश्चिम बंगाल में पेट्रोल 69 और डीजल 68 पैसे सस्ता हो गया है। साथ ही राजस्थान में भी पेट्रोल के दाम में 20 पैसे और डीजल में 18 पैसे की गिरावट देखी जा रही है। मध्य प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और कर्नाटक में भी तेल के दाम सस्ते हुए हैं।

दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपए और डीजल 94.27 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 96.76 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.34 रुपए और डीजल 89.75 रुपए प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.48 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.42 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है। पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

पंजाब किंग्स को आज माही की चुतर कप्तानी से बचाना होगा

–पंजाब को अपनी फिरकी में फंसने की कसर नहीं छोड़ेगी सीएसके

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स और पंजाब किंग्स के बीच आईपीएल में रविवार को होने वाले मैंच में स्पिनरों का दबदबा रहेगा और इसमें मेजबान टीम का पलड़ा भारी दिख रहा है। दोनों टीमों को पिछले मैच में पराजय का सामना करना पड़ा है। चेन्नई को राजस्थान रॉयल्स ने 32 रन से वहीं, पंजाब किंग्स को लखनऊ सुपर जाइंट्स ने 56 रन से शिकस्त दी।

चेन्नई हालांकि अब अपने घरेलू मैदान पर खेलेगी जहां स्पिनरों की तूती बोलती है। वहीं महेंद्र सिंह धोनी जैसा चतुर कप्तान पंजाब को फिरकी के जाल में फंसाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा। राजस्थान के खिलाफ 203 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए चेन्नई के बल्लेबाज दबाव में आ गए। फॉर्म में चल रहे डेवोन कोंवे भी कुछ नहीं कर सके। कोंवे के अलावा चेन्नई के लिए इस सत्र में रूतुराज गायकवाड़, अजिंक्य रहाणे और शिवम दुबे ने रन बनाए हैं। रविंद्र जडेजा के बल्ले की खामोशी चेन्नई की चिंता का सबब है, लेकिन इस हरफनमौला ने शानदार गेंदबाजी और क्षेत्ररक्षण से वह कमी पूरी कर दी है।

शायद अपना आखिरी आईपीएल खेल रहे धोनी पर सभी की नजरें होंगी। पीली जर्सी में मैदान में मौजूद प्रशंसक उनकी बल्लेबाजी देखना चाहते हैं। चेन्नई इस मैच में भी जडेजा, महीष तीक्षणा और मोईन अली के रूप में तीन तरफा स्पिन आक्रमण उतार सकता है। तेज गेंदबाजी में दीपक चाहर की गैर मौजूदगी में तुषार देशपांडे ने 14 विकेट लिए हैं, हालांकि उनका इकॉनामी रेट 12.57 रहा है। युवा आकाश सिंह और मतीषा पथिराना से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

चेन्नई की टीम में ज्यादा बदलाव नहीं होते हैं, लेकिन चोट से उबर चुके इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स की वापसी हो सकती है। दूसरी ओर पंजाब की समस्या प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव है। कप्तान शिखर धवन की वापसी का भी कोई फायदा नहीं हुआ। धवन, प्रभसिमरन सिंह और अथर्व तायडे

को रन बनाना होगा। धवन की गैर मौजूदगी में मुंबई इंडियंस के खिलाफ कप्तानी करने वाले सैम करेन ने बल्ले और गेंद दोनों से प्रभावित किया था। पिछले मैच में लखनऊ सुपर जाइंट्स के बल्लेबाजों के हाथों बुरी तरह पिटे अर्शदीप सिंह और कैगिसो रबाडा लय में लौटने की कोशिश करने वाले हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं-

चेन्नई सुपर किंग्स: एमएस धोनी (कप्तान), डेवोन कॉनवे, रुतुराज गायकवाड़, अंबाती रायडू, सुभ्रांशु सेनापति, मोईन अली, शिवम दूबे, राजवर्धन हैंगरगेकर, ड्वेन प्रिटोरियस, मिचेल सेंटनर, रविंद्र जडेजा, तुषार देशपांडे, मथीषा पथिराना, सिमरजीत सिंह, दीपक चाहर, प्रशांत सोलंकी, महेश तीक्ष्णा, अजिंक्य रहाणे, बेन स्टोक्स, शेख रशीद, निशांत सिंधु, सिसंडा मगाला, अजय मंडल, भगत वर्मा, आकाश सिंह।

पंजाब किंग्स: शिखर धवन (कप्तान), अर्शदीप सिंह, बलतेज सिंह, राहुल चाहर, सैम कुर्रन, ऋषि धवन, नाथन एलिस, गुरनूर बराड़, हरप्रीत बराड़, हरप्रीत सिंह, विद्वाथ कावेरप्पा, लियाम लिविंगस्टोन, मोहित राठी, प्रभसिमरन सिंह, कागिसो रबाडा , भानुका राजपक्षे, एम शाहरुख खान, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), शिवम सिंह, मैथ्यू शॉर्ट, सिकंदर रजा, अथर्व तायडे।

श्रीलंकाई खिलाड़ी कुसल मेंडिस ने टेस्ट मैंच में जड़ दिए 11 छक्के

–सीनियर खिलाड़ी कुमार संगाकारा का रिकॉर्ड तोड़ा

लदंन (एजेंसी)। आयरलैंड के खिलाफ 2 टेस्ट मैचों की सीरीज में श्रीलंका ने बेहतरीन जीत दर्ज की। श्रीलंकाई टीम ने पहला टेस्ट एक इनिंग और 280 रनों से जीता। फिर दूसरा टेस्ट भी श्रीलंका ने पारी और 10 रन से अपने नाम किया। दूसरे टेस्ट में श्रीलंका के बल्लेबाल कुसल मेंडिस ने जबरदस्त कोहराम मचाया। कुसल मेंडिस ने 11 छक्कों के साथ अपना दोहरा शतक पूरा किया।

दूसरे टेस्ट में आयरलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी थी। आयरिश टीम ने पहले बैटिंग कर 493 रन बनाए थे। जब श्रीलंका की टीम बैटिंग करने उतरी, तब उनके शुरुआती चार बल्लेबाजों ने शतक जड़ दिया। इसमें दो दोहरे शतक शामिल थे। निशान मधुशंका ने 205 रन बनाए, वहीं करुणारत्ने ने 115 रन बनाए।

तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे कुसल मेंडिस ने 245 रन बनाए। इसके अलावा एंजेलो मैथ्यूज ने 114 गेंदों में 100 रन बनाए। इन चारों की पारी में कुसल मेंडिस की पारी खास थी, क्योंकि उन्होंने सबसे ज्यादा 245 रन बनाकर करियर का पहला दोहरा शतक भी जड़ दिया। उन्होंने अपनी पारी में 18 चौके और 11 छक्के जड़े।

मेंडिस 11 छक्के जड़कर खास क्लब में शामिल हो गए हैं। दरअसल, मेंडिस से पहले किसी भी श्रीलंकाई बल्लेबाज ने टेस्ट की एक इनिंग में इतने छक्के नहीं मारे थे। टेस्ट की एक इनिंग में सबसे ज्यादा छक्के मारने का रिकॉर्ड वसीम अकरम के नाम हैं। उन्होंने जिंबाब्वे के खिलाफ 12 छक्के मारे थे। मेंडिस ने 11 छक्के मार कर अपने देश के सीनियर खिलाड़ी कुमार संगाकारा का रिकॉर्ड तोड़ा है। कुमार संगाकारा ने साल 2014 में बांग्लादेश के खिलाफ श्रीलंका के लिए खेलते हुए एक टेस्ट इनिंग में 8 छक्के मारे थे।

क्या विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल की कप्तानी करेंगे कोहली

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री का मानना है कि कप्तान रोहित शर्मा अगर किन्हीं कारणों से उपलब्ध नहीं रहते हैं, तब विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल जैसे बड़े मैचों में विराट कोहली को कप्तानी दी जानी चाहिए। शास्त्री ने कहा कि भारतीय टीम प्रबंधन को पिछले साल इंग्लैंड दौरे पर स्थगित हुए आखिरी टेस्ट में कप्तानी के लिए कोहली को कहना चाहिए था चूंकि रोहित उस मैच के लिए उपलब्ध नहीं थे।

शास्त्री ने कहा, इसतरह के बड़े मैच के लिए मैं चाहूंगा कि रोहित फिट रहें, क्योंकि वह कप्तान हैं। लेकिन अगर किन्हीं कारणों से वह नहीं खेल पाते हैं, तब भारतीय टीम को उस दिशा में सोचना चाहिए ।'' शास्त्री से पूछा गया कि रोहित के नहीं खेलने पर क्या कोहली को टीम की कप्तानी करनी चाहिए। शास्त्री ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट के लिए भी ऐसा ही किया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा ,रोहित के चोटिल होने पर मुझे लगा

था कि विराट को कप्तान सौंपी जाएगी। उन्होंने कहा, अगर मैं कोच होता यहीं सुझाव देता। मुझे यकीन है कि राहुल (द्रविड़) ने भी यहीं किया होगा। मेरी उससे बात नहीं हुई है। विराट की कप्तानी में भारत ने श्रृंखला में 2.1 की बढ़त बनाई थी।

फाफ डु प्लेसी के चोटिल होने के कारण कोहली वर्तमान में आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर की कप्तानी कर रहे हैं। डु प्लेसी 'इंपैक्ट खिलाड़ी के तौर पर खेल रहे हैं। शास्त्री ने कहा, वह अपने खेल का पूरा मजा ले रहा है।

राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाजों को रोकने आज मुंबई इंडियंस को देना होगा अपना बेस्ट

–गेंदबाजी रोहित के लिए बड़ी चुनौती

मुंबई (एजेंसी)। खराब दौर से जूझ रही मुंबई इंडियंस को इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में रविवार को राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाजों को रोकने के अपना बेस्ट देना होगा। राजस्थान वर्तमान में अंकतालिका में शीर्ष पर है, राजस्थान ने चेन्नई सुपर किंग्स पर पिछले मैच में एकतरफा जीत दर्ज की। पिछले तीन में से दो मैच गंवाने के बावजूद संजू सैमसन की टीम हर विभाग में बेहतरीन फॉर्म में है।

दूसरी ओर मुंबई की डैथ गेंदबाजी चिंता का विषय बनी हुई है, इसकारण मुंबई को पिछले दो मैचों में पराजय का सामना करना पड़ा। पिछले सप्ताह हुए मैच में मुंबई के गेंदबाजों ने आखिरी पांच ओवरों में 96 रन देकर पंजाब को चमत्कारिक जीत दर्ज करने का मौका दिया। इसके अलावा गुजरात टाइटंस के खिलाफ आखिरी 24 गेंद में 70 रन दे डाले।

मुंबई के शीर्षक्रम के बल्लेबाजों को भी बेहतर प्रदर्शन करना होगा, क्योंकि राजस्थान के पास बल्लेबाजों की फौज है। रोहित शर्मा, ईशान किशन और सूर्यकुमार यादव को प्रदर्शन में निरंतरता लानी होगी। मुंबई इस समय दस टीमों में आठवें स्थान पर है। गेंदबाजी में देखना होगा कि कोहनी की चोट से जूझ रहे इंग्लैंड के जोफ्रा आर्चर खेलने के लिए तैयार

हैं या नहीं। जासन बेहरेनडोर्फ, रिले मेरेडिथ और अर्जुन तेंदुलकर महंगे साबित हुए हैं।

दूसरी ओर राजस्थान के बल्लेबाज इस पिच पर 200 से अधिक रन बना सकते हैं। उनके पास जोस बटलर और यशस्वी जायसवाल जैसे शीर्षक्रम के बल्लेबाज हैं, तब मध्यक्रम में संजू सैमसन, देवदत्त पड्डिकल, शिमरोन हेटमायेर और ध्रुव जुरेल उतरते हैं। जुरेल ने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं-

राजस्थान रॉयल्स: संजू सैमसन (कप्तान और विकेटकीपर), अब्दुल बसिथ, मुरुगन अश्विन, रविचंद्रन अश्विन, केएम आसिफ, ट्रेंट बोल्ट, जोस बटलर, केसी करियप्पा, युजवेंद्र चहल, डोनोवन फरेरा, शिमरोन हेटमेयर, जेसन होल्डर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, ओबेड मैककॉय , देवदत्त पडिक्कल, रियान पराग, कुणाल सिंह राठौर, जो रूट, नवदीप सैनी, संदीप शर्मा, कुलदीप सेन, आकाश वशिष्ठ, कुलदीप यादव, एडम जम्पा।

मुंबई इंडियंस: रोहित शर्मा (कप्तान), सूर्यकुमार यादव, टिम डेविड, डेवाल्ड ब्रेविस, तिलक वर्मा, इशान किशन (विकेटकीपर), ट्रिस्टन स्टब्स, विष्णु विनोद, कैमरन ग्रीन, अर्जुन तेंदुलकर, रमनदीप सिंह, शम्स मुलानी, रिले मेरेडिथ, नेहल वढेरा, ऋतिक शौकीन, अरशद खान, डुआन जानसेन, पीयूष चावला, कुमार कार्तिकेय, राघव गोयल, जोफ्रा आर्चर, जेसन बेहरेनडॉर्फ, आकाश मधवाल।

धुरंधर स्पिनर हैं। दोनों ने मिलकर आठ मैचों में 23 विकेट ले चुके हैं। वहीं ट्रेंट बोल्ट प्रभावी रहे हैं और छह मैचों में नौ विकेट चटका चुके हैं।

फिट और बेहतर महसूस कर रहा हूं, मैं कोर्ट में उतरना चाहता हूं : मरे

मैड्रिड ।मैड्रिड ओपन के पहले दौर में हारने के बाद ब्रिटेन के एंडी मरे ने कहा है कि वह 2017 के बाद से पहली बार फ्रेंच ओपन में खेलने उतर सकते हैं। पूर्व विश्व नंबर एक खिलाड़ी को इटली के आंद्रिया ववासोरी से पहले राउंड में हार का सामना करना पड़ा। वह इससे पहले मोंटे कार्लो में क्ले पर पहले राउंड में एलेक्स डी मिनौर से हार गए थे। इस सत्र में क्ले कोर्ट पर अपनी पहली जीत की तलाश कर रहे ब्रिटिश खिलाड़ी रोम में उतर सकते हैं, जहां वह 2017 से नहीं खेले हैं। वह 2017 में सेमीफाइनल तक पहुंचे थे। यह फ्रेंच ओपन में उनकी दूसरी उपस्थिति होगी। मरे ने कहा कि वह इस वर्ष के दूसरे ग्रैंड स्लैम में खेलने की उम्मीद कर रहे हैं। मरे ने कहा, मेरी टीम में कई विकल्प हैं कि मुझे क्या करना चाहिए। मैं

खेलना चाहता हूं क्योंकि मैं नहीं जानता कि मुझे दोबारा खेलने का मौका मिलेगा या नहीं। मैं फिट और बेहतर महसूस कर रहा हूं और मैं कोर्ट में उतरना चाहता हूं।क्ले कोर्ट मेजर के अलावा मरे ग्रास कोर्ट के ग्रैंड स्लैम विम्बलडन में भी उतरना चाहता हूं जहां उन्हें काफी सफलता मिली है। उन्होंने अपने तीन ग्रैंड स्लैम खिताबों में से दो खिताब 2013 और 2016 में विम्बलडन में जीते हैं।

वनडे इतिहास में 500 से अधिक मैंच खेलने वाली टीमों में ऑस्ट्रेलिया शीर्ष पर

–भारत दूसरे और पाकिस्तान तीसरे स्थान पर

नई दिल्ली ।मौजूदा समय में लगभग पूरी दुनिया में क्रिकेट के चाहने वाले लोग मौजूद हैं। एक ऐसी ही खबर हम उन खेल प्रेमियों के लिए लेकर आए हैं, जो क्रिकेट के जबरा फैन हैं। आपकों पता है कि वनडे प्रारूप का पहला मुकाबला पांच जनवरी 1971 में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बिच खेला गया। लेकिन यह बहुत कम लोग ही जानते हैं कि वनडे इतिहास में अबतक सिर्फ तीन टीमों ने 500 से अधिक मुकाबलों में जीत हासिल की है। इस खास लिस्ट में सबसे पहला नाम ऑस्ट्रेलिया का आता है। ऑस्ट्रेलिया ने वनडे प्रारूप में अबतक कुल

978 मुकाबले खेले हैं। इस बीच कंगारू टीम को 594 मुकाबलों में जीत मिली है, जबकि 341 मुकाबलों में शिकस्त का सामना करना पड़ा है। इसके अलावा नौ मैच टाई रहे हैं, जबकि 34 मुकाबलों का कोई परिणाम नहीं निकल पाया है। खास लिस्ट में दूसरा नाम भारत का आता है। भारत ने वनडे इतिहास में अबतक कुल 1029 मुकाबले खेले हैं। इस बीच ब्लू टीम को 539 मैचों में जीत मिली है, जबकि 438 मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। इसके अलावा नौ मैच टाई हुए हैं, जबकि 43 मैच का कोई परिणाम नहीं निकाला है। खास लिस्ट में पाकिस्तान का नाम तीसरे स्थान पर आता है। पाक टीम ने वनडे प्रारूप में अबतक 949 मुकाबले खेले हैं। इस बीच ग्रीन टीम को 500 मुकाबलों में जीत मिली है, जबकि 420 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा है। इसके अलावा नौ मैच टाई रहे हैं, जबकि 20 मैच का कोई परिणाम नहीं निकल पाया है।

आईपीएल में कहर ढह रहे बूढ़े खिलाड़ी, टीमों ने इन्हें आधार मूल्य पर खरीदा

–रहाणे, मोहित शर्मा और पीयूष चावला ने आलोचकों का मुंह बंद किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुबंई (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र में बेस प्राइज पर खरीदे गए अजिंक्य रहाणे (सीएसके), मोहित शर्मा (गुजरात टाइटंस), पीयूष चावला (मुबंई इंडियंस) और मयंक मारकंडे (एसआरएच) ने अपने प्रदर्शन से न सिर्फ अपने आलोचकों का मुंह बंद किया हैं, बल्कि यह साबित किया है कि उम्रदराज होने के बावजूद उनमें अभी काफी क्रिकेट बाकी है। सभी को आईपीएल 2023 की नीलामी में आधार मूल्य पर खरीदा गया था। सीजन की शुरुआत से पहले इन खिलाड़ियों को किसी ने मौका नहीं दिया, लेकिन इन्होंने अपने प्रदर्शन से अपने आलोचकों का मुंह बंद कर दिया। मोहित ने तीन मैचों में चार विकेट लिए हैं और पहले ही दो मौकों पर गुजरात के लिए दो प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार के साथ लौटे हैं। डेथ ओवरों में वह कप्तान हार्दिक पांड्या के लिए एक पसंदीदा गेंदबाज रहे हैं।

अजिंक्य रहाणे को चेन्नई सुपरकिंग्स ने 50 लाख रुपये के आधार मूल्य पर खरीदा था मगर उन्होंने अपने लुभावने प्रदर्शन के साथ आईपीएल में सबका ध्यान आकर्षित किया है। वह अब तक पांच पारियों में 52.25 की औसत और 199.1 के स्ट्राइक रेट से 209 रन बना चुके हैं।भारतीय महिला टीम की पूर्व सदस्य मिताली राज ने कहा, रहाणे ने अपने खेल में फिर से बदलाव किया है। वह टी20 प्रारूप में फिट होना चाहते थे, इसकारण उन्होंने अपना खेल बदला। उनके शॉट्स में कोई बदलाव नहीं हुआ है, लेकिन नजरिए में काफी बदलाव आया है। यह रहाणे बिल्कुल नया दिख रहा है।

इसी तरह, सीनियर स्पिनर पीयूष चावला ने पांच बार के चैंपियन मुंबई इंडियंस के लिए खेले गए छह मैचों में नौ विकेट लिए हैं। चावला ने अपने पहले छह मैचों में 6.9 की इकॉनमी से गेंदबाजी की। पूर्व भारतीय खिलाड़ी हरभजन सिंह का मानना है कि इम्पैक्ट सब्स्टीट्यूट नियम पीयूष चावला और अमित मिश्रा जैसे दिग्गज क्रिकेटरों को उनके द्वारा खेले जाने वाले हर खेल पर एक महत्वपूर्ण प्रभाव छोड़ने की अनुमति देता है, क्योंकि वे दोनों अनुभवी प्रचारक और टीम के लिए एक संपत्ति हैं।

सिंह ने कहा, चावला और मिश्रा जानते हैं, कि उनके पास गेंदबाजी करने के लिए केवल तीन-चार ओवर हैं और उस दौरान वे अपना सर्वश्रेष्ठ दे सकते हैं। दोनों के पास क्लास और अनुभव है। मयंक मारकंडे ने पांच मैचों में एसआरएच के लिए 6.7 की इकॉनमी से गेंदबाजी कर आठ विकेट चटकाए, जबकि अनकैप्ड केकेआर के स्पिनर सुयश शर्मा ने नाइट राइडर्स के लिए अब तक खेले गए 5 मैचों में सात विकेट हासिल किए। सुयश को केकेआर ने उनके बेस प्राइस 20 लाख रुपये में खरीदा था।

मैड्रिड ओपन : अलकाराज पहले दौर में उलटफेर का शिकार होने से बचे

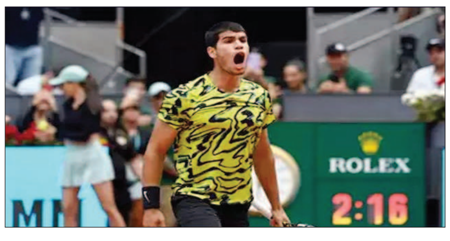

मैड्रिड ।गत चैम्पियन स्पेन के कार्लोस अलकाराज मैड्रिड ओपन के पहले दौर में फिनलैंड के 41वीं वरीयता प्राप्त एमिल रूसुवुओरी के हाथों उलटफेर का शिकार होने से बाल बाल बचे। अगले महीने 20 वर्ष के होने जा रहे अलकाराज ने यह मुकाबला 2.6, 6.4, 6.2 से जीता। अब उनका सामना ग्रिगोर दिमित्रोव से होगा जिन्होंने ग्रेगोइर बारेरे को 6.0, 5.7, 6.3 से मात दी। 5वीं वरीयता प्राप्त आंद्रे रूबलेव ने स्टान वावरिंका को 7.5, 6.4 से हराया। महिला वर्ग में नंबर एक खिलाड़ी इगा स्वियातेक ने आस्ट्रिया की जूलिया ग्राबेर को 6.3, 6.2 से हराया।

दूसरे टीम के ओपनर्स खेल रहे हैं पृथ्वी शॉ से अच्छा: रिकी पोंटिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। नेट पर कड़ा अभ्यास करने वाले पृथ्वी शॉ से रिकी पोंटिंग को जल्दी ही एक अच्छी पारी की उम्मीद थी, लेकिन दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच ने स्वीकार किया कि दूसरी टीमों के कई सलामी बल्लेबाज उनसे बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। शॉ को छह मैचों में खराब प्रदर्शन के बाद आखिरकार बाहर रखा गया और अब उनकी जल्दी वापसी मुश्किल लगती है। पोंटिंग ने कहा कि दूसरी टीमों के शीर्षक्रम के कई बल्लेबाज उससे बेहतर खेल रहे हैं। आईपीएल में साव ने छह मैचों में 47 रन बनाए हैं। पोंटिंग ने कहा कि फॉर्म में होने पर पृथ्वी मैच विनर है। यही वजह है कि उसे टीम में बरकरार रखा गया था, क्योंकि अगर वह टिक गया तो हम मैच जीत सकते हैं। इस सत्र में हालांकि वह अच्छा नहीं खेल सका। छह मैचों में करीब 40 रन बनाए हैं, जिससे हमारा काम नहीं चलने वाला। उसे बाहर रखने का फैसला कठिन था, लेकिन उम्मीद है कि हमने जो टीम चुनी है, वह कल का मैच जीतेगी। उन्होंने कहा कि इस साल जब वह आया तो कुछ सप्ताह एनसीए में बिताकर आया था। उसने फिटनेस पर काफी मेहनत की है और नेट पर उसकी मेहनत को देखकर मुझे लगता था कि यह साल उसके लिये बड़ा होगा, लेकिन अभी तक ऐसा हुआ नहीं।

रायुडू पर जमकर भड़के गावस्कर, दो गेंद पर आउट होने का मामला

जयपुर ।आईपीएल में अंबाती रायुडू के दो गेंद पर आउट होकर पवेलियन लौटने पर पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने फटकार लगाई है।सवाई मान सिंह स्टेडियम में गुरुवार को चेन्नई सुपर किंग्स को राजस्थान रॉयल्स से 32 रन से हार का सामना करना पड़ा। जीत के लिए 203 रनों का पीछा करते हुए चेन्नई को तेज शुरुआत की जरूरत थी, जो रॉयल्स की शानदार गेंदबाजी की वजह से उन्हें नहीं मिली। वहीं इंपैक्ट प्लेयर के रूप में आए अंबाती रायुडू भी 2 गेंदों में बिना खाता खोले पवेलियन चले गए।ऐसे में भारत के पूर्व क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने रायुडू की क्लास लगाई, बल्कि इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर भी सवाल उठाया।गावस्कर ने रायडू के आउट होने पर कमेंट्री पर कहा कि आप फील्डिंग करने नहीं आए। फिर आप केवल बल्लेबाजी करने नहीं आ सकते और गेंद को मारना शुरू नहीं कर सकते। आप ऐसा नहीं कर सकते। हमने पृथ्वी शॉ के साथ यह देखा है। वह सफलता के बिना बल्लेबाजी करने के लिए आ रहा है। कोई फील्डिंग नहीं। कोई स्कोरिंग नहीं। रायुडू दूसरी गेंद पर डक के लिए आउट हो गए। इस प्रकार गावस्कर ने इम्पैक्ट प्लेयर के नियम को भी निशाने में लिया है। मैच में 203 रनों का पीछा करने उतरी सीएसके की तरफ से नंबर 4 पर बल्लेबाजी करने आए रायुडू ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के खिलाफ एक बड़ा शॉट खेलने की कोशिश करते हुए आउट हो गए।वह एक बड़े स्लॉग स्वीप के लिए गए, लेकिन मिड विकेट पर कैच आउट हो बैठे।गौरतलब है कि रायडू ने आईपीएल 2023 में आठ मैचों में 16.60 की औसत से 83 रन बनाने में सफल रहे हैं। यह उनके 14 साल के लंबे आईपीएल करियर का सबसे कम स्कोर अभी तक है।

अपराधी बनकर नहीं दूंगा कुश्ती महासंघ से इस्तीफा, यह षड्यंत्रकारियों का धरना है : बृजभूषण

नई दिल्ली (एजेंसी)। गोंडा -धरने पर बैठे पहलवानों के आरोपों को राजनीति से प्रेरित बताते हुए भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने शनिवार को कहा कि इस्तीफा देना उनके लिए कोई बहुत बड़ी बात नहीं है, किन्तु वह अपराधी बनकर इस्तीफा नहीं देंगे । महिला पहलवानों द्वारा बृजभूषण के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों के संबंध में दिल्?ली पुलिस ने शुक्रवार को दो प्राथमिकी दर्ज कीं।

विश्नोहरपुर स्थित अपने आवास पर मीडिया से बातचीत में बृजभूषण ने कहा ,''मैं पूरी तरह से निर्दोष हूं । मुझे सुप्रीम कोर्ट और दिल्ली पुलिस पर पूरा भरोसा है। मैं हर तरह की जांच का सामना करने को तैयार हूं।'

उन्होंने कहा, 'भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष पद से इस्तीफा देना मेरे लिए कोई बहुत बड़ी चीज नहीं है, किन्तु मैं अपराधी बनकर इस्तीफा नहीं दूंगा। मैं अपराधी नहीं हूं। इस्तीफा देने का मतलब है कि मैंने इनके आरोपों को स्वीकार कर लिया है।' कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने बृजभूषण के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर दिल्ली के जंतर-मंतर में धरने पर बैठे पहलवानों से शनिवार को मुलाकात कर उनके प्रति समर्थन जताया और आरोप लगाया कि केंद्र सरकार एक बाहुबली एवं माफिया के सामने नतमस्तक हो गई है। इस पर उन्होंने कहा , 'आज दिखाई पड़ गया कि इस पूरे विवाद के पीछे किसका हाथ है। मैं शुरू से कह रहा हूं कि इसमें एक उद्योगपति और कांग्रेस का हाथ है। इन्हें मुझसे कष्ट है।'

यह षड्यंत्रकारियों का धरना है

उन्होंने सवाल किया , 'जब मेरे खिलाफ प्राथमिकी दर्ज हो गई तो अब पहलवान क्यों धरने पर बैठे हैं? वे लगातार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और खेल मंत्रालय के खिलाफ क्यों बोल रहे हैं? यह खिलाड़ियों का धरना नहीं, षड्यंत्रकारियों का धरना है। हम बहाना हैं, निशाना हमारे ऊपर कहीं है।' बृजभूषण ने कहा , 'महिला पहलवानों की सभी मांगें मान ली गई हैं। मेरे खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी है, फिर भी वे धरने पर बैठे हैं। क्यों?' उन्होंने कहा कि उनका कार्यकाल पूरा हो चुका है और महासंघ के अध्यक्ष के चुनाव के साथ अपने आप ही इस्तीफा हो जाएगा। नए चुनाव तक वह सिर्फ कार्यवाहक की भूमिका निभा रहे हैं।

उन्होंने सवाल दागा कि यदि वह पिछले 12 साल से खिलाड़ियों का यौन शोषण कर रहे था, तो वे आज तक कभी पुलिस स्टेशन, फेडरेशन अथवा सरकार के पास शिकायत लेकर क्यों नहीं गए? सीधा जंतर-मंतर पर धरना देने क्यों पहुंच गए। पहलवानों के धरना प्रदर्शन को राजनीति से प्रेरित और साजिश

बताते हुए भाजपा सांसद ने दावा किया कि उन्होंने जांच समिति को एक ऑडियो सौंपा है, जिसमें एक शख्स किसी से कह रहा है कि एक लड़की की व्यवस्था कर दो, उसे (बृजभूषण को) फंसाने के लिए। बृजभूषण ने दावा किया कि पूरा हरियाणा और यूपी का अखाड़ा उनके साथ है और सिर्फ एक परिवार का अखाड़ा ही उनके खिलाफ है।

जेम्स फोस्टर ने कहा, हम बेखौफ खेलेंगे, आंद्रे व सुनील का किया बचाव

कोलकाता ।कोलकाता नाइट राइडर्स के सहायक कोच जेम्स फोस्टर ने कहा कि उतार चढाव वाले सत्र के बावजूद उनकी टीम निर्भीक होकर क्रिकेट खेलती रहेगी। गौरतलब है कि केकेआर ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर को हराकर जीत की राह पर वापसी की है, लेकिन प्लेआफ में जगह पक्की करने के लिए उसे अभी भी बाकी छह में से कम से कम पांच मैच जीतने हैं। वहीं खराब फॉर्म से जूझ रहे आंद्रे रसेल और सुनील नारायण का बचाव करते हुए उन्होंने कहा कि रसेल और नारायण सुपरस्टार हैं। नारायण लंबे समय से टीम का स्टार रहा है। वह काफी मेहनत कर रहा है। कई बार विकेट मिलते हैं लेकिन कई बार आप विरोधी टीम पर दबाव बनाने में भी कामयाब रहते हैं। जेम्स फोस्टर ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच से पूर्व कहा कि बल्लेबाजों को बेखौफ खेलने के लिये कहा गया है। हमने बैठक में यही बात की है। कई बार सब कुछ रणनीति के अनुकूल नहीं रहता लेकिन इससे दबाव कम हो जाता है। इस टीम पर दबाव नहीं है।

कच्छ की जनता ऐसी है, जो राख से भी उठ खड़ी होने में सक्षम है : मुख्यमंत्री

सरकार भूकंपग्रस्त व्यापारियों की दुकानों की समस्या का सकारात्मक समाधान लाएगी

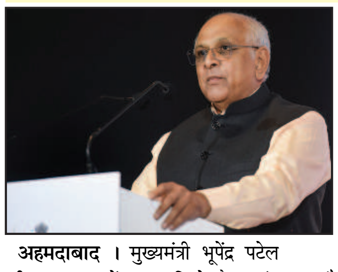

अहमदाबाद । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में कच्छ ज़िले के भूकंप प्रभावित लोगों को सनद एवं प्रॉपर्टी कार्ड वितरण कार्यक्रम शनिवार को भुज टाउन हॉल में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के करकमलों से मंच पर 20 लाभार्थियों को सनद एवं प्रॉपर्टी कार्ड का वितरण किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने लोगों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज बड़ी समस्या का समाधान आया है इसलिए यह सभी के लिए आनंद का क्षण है। भूकंप के बाद के हालात ऐसे थे कि कच्छ फिर से स्थिर हो पायेगा या नहीं यह भी एक प्रश्न था। हालांकि, हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का कच्छ के प्रति अनोखा प्रेम रहा है। प्रधानमंत्री ने कच्छ के लिए जो भी कुछ करना पड़े वो करके आज कच्छ को अन्य ज़िलों के समान तेज़ी से विकास करने वाला बनाया है।कच्छ में आए भूकंप के बाद सरकार के प्रयासों से कई व्यापारिक उद्योग सामने आए हैं। गुजरात सरकार ने पानी सहित विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए कच्छ जिले को सबसे अधिक धनराशि आवंटित की है। मुख्यमंत्री ने हाल ही में आयोजित स्वागत ऑनलाइन कार्यक्रम का जिक्र करते हुए कहा कि इस स्वागत कार्यक्रम की शुरुआत वर्ष 2003 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की थी। लोगों के प्रश्नों और समस्याओं का समाधान करने वाला कार्यक्रम ही स्वागत कार्यक्रम है। स्वागत ऑनलाइन कार्यक्रम के माध्यम से लंबे समय से लंबित समस्याओं का समाधान हुआ है। छोटे से छोटे व्यक्ति के बारे में सोचकर आगे बढ़ना प्रधानमंत्री की कार्य पद्धति है।गुजरात सरकार की टीम इस कार्यपद्धति पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत कई लोगों को अपना घर मिल चुका है। कच्छ में भूकंप आया और लोगों के घर ढह गए। पुनर्वास के माध्यम से नवनिर्मित आवासों का स्वामित्व आज सनद द्वारा पूर्ण किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्हें बहुत खुशी है कि आज 14 हजार लोगों को उनके घर का सनद और प्रॉपर्टी कार्ड मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने भूकम्प के दिवंगतों की स्मृति में बनाए गए स्मृतिवन संग्रहालय का उल्लेख करते हुए कहा कि इस संग्रहालय को बहुत अच्छे ढंग से तैयार किया गया है। यहां भूकंप के दिवंगतों के परिजन तथा लोग आकर कच्छ में उस समय भूकंप की स्थिति का अंदाजा लगा सकते हैं। भूकंप के बाद कच्छ और कच्छ के लोग जिस प्रकार फिर उठ खड़े हुए; उसकी प्रसंशा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वाभिमानी कच्छ की जनता ऐसी है, जो राख से भी उठ खड़ी होने में सक्षम है। उन्होंने आगे कहा कि जहाँ पूरा देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है, तो आइए हम भारत के विकास का संकल्प लेकर गुजरात के विकास में भागीदार बनें। कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्यमंत्री और गणमान्य लोगों का स्वागत करते हुए कच्छ के ज़िलाधिकारी श्री अमित अरोड़ा ने कहा किराजस्व विभाग द्वारा वर्ष 2022 में किये गये विशेष प्रावधान के अनुसार भूकम्प प्रभावितों के लिये बनाये गये मकानों के मालिकाना हक की समस्या का समाधान कर कुल 14 हजार लाभार्थियों को सनद एवं संपत्ति कार्ड दिये जायेंगे।

पीएम मोदी व गृहमंत्री शाह को दिया जाना चाहिए अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का श्रेयः सीएम भूपेंद्र पटेल

अहमदाबाद। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि अयोध्या में बन रहे राम मंदिर निर्माण का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को दिया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री पटेल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के दोनों वरिष्ठ नेताओं ने देश की संस्कृति और आस्था को संरक्षित करने के लिए बहुत कुछ किया है। पटेल ने कहा कि उत्तर प्रदेश में भगवान राम की जन्म भूमि अयोध्या में राम मंदिर के लिए अतीत में कई आंदोलन हुए, जहां अब एक विशाल मंदिर बन रहा है। वह विश्व उमियाधाम द्वारा बृहस्पतिवार कोनिकोल इलाके में आयोजित 'राम कथा' में जुटे लोगों को संबोधित किया। मुख्यमंत्री पटेल ने कहा कि हम सभी जानते हैं कि अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण के लिए अतीत में कितने आंदोलन हुए। मंदिर 2024 तक बनकर तैयार हो जाएगा। इसका श्रेय हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को देना चाहिए। उन्होंने हमारी आस्था और संस्कृति को सहेजने में बहुत योगदान दिया है। विश्व उमियाधाम एक वृहद मंदिर परिसर है, जिसे एक हजार करोड रुपए की लागत से अहमदाबाद शहर के पास जसपुर गांव में स्थापित किया जा रहा है। यह मंदिर पाटीदार समुदाय के एक उप-समूह कडवा पटेल की अधिष्ठात्री देवी मां उमिया को समर्पित होगा।

दो साल की सजा पर रोक की मांग करती राहुल गांधी की याचिका पर सुनवाई 2 मई को

सूरत।

'मोदी सरनेम' मामले में सूरत की कोर्ट ने दो साल की सजा सुनाई है। सूरत की कोर्ट के फैसले को राहुल गांधी ने गुजरात हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए सजा पर रोक लगाने की मांग की है। गुजरात हाईकोर्ट ने शनिवार को इस मामले पर सुनवाई की। राहुल गांधी की पैरवी करते हुए वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि यह गंभीर अपराध नहीं है, जिसकी सजा माफ नहीं की जा सके। देश में 13 करोड़ मोदी हैं और इस मामले में किसी ने शिकायत नहीं की। केवल राजनीतिक द्वेष के चलते राहुल गांधी के खिलाफ शिकायत की गई है। सिंघवी ने हाईकोर्ट के समक्ष कई मामलों का उल्लेख किया और कहा कि अनेक ऐसे गंभीर मामलों में सजा भी माफ की गई है। कई सांसदों और विधायकों के खिलाफ गंभीर मामले दर्ज हैं। अभिषेक मनु सिंघवी ने राहुल गांधी को पहली बार भेजे गए समन को लेकर भी कोर्ट पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि केवल वॉट्सएप क्लिप के आधार पर कोई समन कैसे भेज सकते हैं? वॉट्सएप में हजारों प्रकार के मैसेज आते हैं। उन्होंने कहा कि न्यायधीश के समक्ष कोई न्यूज पेपर की कटिंग या पेन ड्राइव भी पेश नहीं की गई, इसके बावजूद समन जारी कर दिया गया। सिंघवी ने पूर्णेश मोदी के बयान पर सवाल उठाते हुए कहा कि नीरव मोदी, ललित मोदी या विजय माल्या कोई भी मोढवणिक जाति का नहीं है। ऐसे में शिकायतकर्ता की भावना कैसे आहत हुई। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने राहुल गांधी के वकील अभिषेक मनु सिंघवी से 2 मई तक जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है। राहुल गांधी ने 'मोदी सरनेम' मामले में हाईकोर्ट से सजा पर रोक लगाने की मांग की है। मामले पर अगली सुनवाई 2 मई को होगी। 2 मई को दोनों पक्ष अपनी दलीलें रखेंगे। बता दें कि 'मोदी सरनेम' मामले में सूरत कोर्ट ने राहुल गांधी को दो साल की सजा सुनाई थी, जिसके बाद कांग्रेस नेता की लोकसभा सदस्यता रद्द कर दी गई थी। राहुल गांधी को लोकसभा से अयोग्य करार दिए जाने के बाद सरकारी बंगला भी खाली करा लिया गया। राहुल गांधी की ओर से बुधवार को गुजरात हाईकोर्ट में सूरत कोर्ट के फैसले को चुनौती दी गई थी।

नारायणा कोचिंग सेंटर - सूरत के छात्र जेईई मेन 2023 स्टेज - 2 में चमके

सूरत भूमि, सूरत।

जेईई मेन जनवरी 2023 स्टेज 2 का परिणाम शुक्रवार देर रात घोषित किया गया। जिसमें नारायणा आईआईटी/ जेईई एनईईटी एंड फाउंडेशन, सूरत ने जेईई मेन 2023 के दूसरे चरण में उत्कृष्ट परिणाम हासिल किए हैं और इन परिणामों के साथ देश और शहर में जेईई/ नीट की तैयारी करने वाले संस्थानों में सर्वश्रेष्ठ साबित हुआ है।

देशभर के टॉप टेन छात्रों में नारायणा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के तीन छात्र शामिल हैं। साथ ही नारायण सूरत के छात्रों ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। नारायण सूरत केंद्र के चार छात्रों को पहले 1000 छात्रों में स्थान मिला है और 42 छात्रों को ऑल इंडिया रैंकर्स के रूप में पहले 10000 छात्रों में स्थान मिला है। चार छात्रों मेघ भावेश शाह, अर्श अंकित जैन, आर्यन गुप्ता और आदित्य नारायण पेरीवाल ने फिजिक्स में 100 पर्सेंटाइल हासिल किए हैं। जबकि ओपन कैटेगरी में चार छात्र मेघ भावेश शाह (391), अर्श अंकित जैन (394), तात्या जिग्नेश वाघासिया (515), यश कृष्णानी (896) ने जगह बनाई है। कृष टुंडवाल ने द्रक्र के साथ सिटी टॉपर कैटगेरी स्थान हासिल किया। AIR 100 के तहत 2 छात्रों कृष टुंडवाल (+60), यश कृष्णानी (*90) ने स्थान हासिल किया। एआईआर 200 में कृष टुंडवाल (+60) आकांक्षा निर्मल पटेल (*137) नमन करवा (*198) और यश कृष्णानी (+90) ने स्थान हासिल किया। इसी तरह 7 छात्रों ने एआईआर 500 के तहत स्थान हासिल किया। जिनमें कृष टुंडवाल (*60), यश कृष्णानी (+90), आकांक्षा निर्मल पटेल (*137) नमन करवा, (*198), जय निर्मल चंदवानी (*379), मेघ भावेश शाह (391) और अर्श अंकित जैन (394) शामिल है। जबकि एआईआर 1000 में 10 छात्रों ने स्थान हासिल किया है। इनमें कृष टुंडवाल (+60), यश कृष्णानी (+90), आकांक्षा निर्मल पटेल (*137), नमन करवा (*198), जय निर्मल चंदवानी (*379), मेघ भावेश शाह (391), अर्श अंकित जैन, (394) जिग्नेश वाघसिया (515), जिनय राकेश मेहता (*78 3), पवित्रा महेशकुमार कुकडिया (*901) शामिल हैं। इसके अलावा आकांक्षा निर्मल पटेल (137) और प्रियांशी जालान (1266, ओपन) ने सूरत गर्ल्स टॉपर कैटेगरी में अपना जलवा बिखेरा है। नारायण कोचिंग सेंटर सूरत के 42 छात्रों ने एआईआर 10000 में स्थान प्राप्त किया है।

इस महान उपलब्धि के लिए नारायणा सूरत केंद्र के सभी प्रमुख श्री कपिल चौहान, श्री महेशकुमार कुकड़िया और श्री सुमित परमानी सहित शाखा प्रबंधक श्री दीपक दीक्षित, श्री अशोक झा, श्री शैलेन्द्र नागर ने विद्यार्थियों और अभिभावकों बधाई दी। हेड ऑफिस टीम के अध्यक्ष के साथ - पी. नारायण सर, वाइस चेयरमैन - प्रमिला मैम, वाइस प्रेसिडेंट - श्री लक्ष्मण सर, नेशनल एकेडमिक हेड - श्याम भूषण सर, जोनल बिजनेस हेड - श्री मनोज भारद्वाज सर, जोनल एकेडमिक हेड - श्री. नीतीश शर्मा सर ने भी सभी छात्रों को बधाई दी और आगामी जेईई एडवांस परीक्षा 2023 के लिए शुभकामनाएं दीं।

मधुर डेयरी के चेयरमैन पर नौकरी देने की लालच देकर जमीन हथियाने का आरोप

अहमदाबाद।

गांधीनगर जिला दूध उत्पादक संघ लिमिटेड यानी मधुर डेयरी के चेयरमैन शंकरसिंह राणा पर नौकरी देने की लालच देकर 3 बीघा जमीन हथिया लेने का एक किसान ने आरोप लगाया है। किसान का आरोप है कि शंकरसिंह राणा ने उनके साथ 3 बीघे जमीन का रु. 1.11 करोड़ में सौदा किया था और उसके बदले 15-15 लाख रुपए के तीन चेक दिए थे। शेष रकम के बदले में किसान के बेटों को नौकरी दिलाने का वादा किया था। लेकिन बाद में शंकरसिंह राणा ने ना तो किसान के बेटों को नौकरी दिलवाई और ना ही जमीन सौदे की बकाया रकम का भुगतान किया। जानकारी क मुताबिक मधुर डेयरी ने गांधीनगर के दशेला स्थित डेयरी के मॉडल फार्म के निकट एक्सपान्सन के लिए जमीन खरीदी है। यह जमीन दशेला ग्राम पंचायत के अधीन है और उसके मालिक सतुजी मेहराजी राणा हैं। मधुर डेयरी के चेयरमैन शंकरसिंह राणा ने सतुजी राणा से मिलकर उनकी जमीन का सौदा किया था। सतुजी के मुताबिक शंकरसिंह राणा ने उनके दो बेटों को नौकरी दिलाने की लालच देकर उनकी 3 बीघा जमीन रु. 1.11 करोड़ में सौदा किया था। शंकरसिंह राणा ने जमीन के दस्तावेज अपने नाम नहीं बल्कि मधु पटेल नामक महिला के नाम करवाए थे। दस्तावेज के बाद शंकरसिंह राणा ने 15-15 लाख रुपए के तीन चेक दिए थे। शेष रकम सतुजी दो बेटों के नौकरी दिलाने की बात कर चुकाई नहीं गई। जमीन के दस्तावेज होने के बाद काफी समय तक सतुजी के बेटों को ना तो नौकरी मिली और ना ही जमीन की बकाया रकम मिली। इसके लिए सतुजी जब भी शंकरसिंह को फोन करते तब वह या तो फोन नहीं उठाते या फिर कहते कैसी नौकरी और कैसा पैसा। किसान सतुजी राणा ने कहा कि अब तक ना तो उनके बेटों को नौकरी मिली है और ना ही जमीन सौदे की बकाया रकम मिली। जिससे हमारी आर्थिक स्थिति काफी खराब हो गई है। बताया जाता है कि गांधीनगर जिले में मधुर डेयरी के एक्सपान्सन के नाम पर मौके की जमीनें कौडियों के दाम खरीदे जाने की चर्चा काफी समय से चल रही थीं। जमीन के बदले में नौकरी दिलाने की भी लालच दी जा रही थी। सतुजी राणा के आरोपों के बाद काफी समय से चल रही चर्चा सही साबित हुई हैं।

श्री स्वामीनारायण अकादमी का जेईई 2023 में उत्कृष्ट परिणाम प्रदर्शन

सूरत । अड़ाजन में स्थित श्री स्वामीनारायण अकादमी ज्ञान, शिक्षा और संस्कृति के माध्यम से शिक्षा की दुनिया में लगातार सफलता की ऊंचाइयों को छू रही है जिसके तहत जे.ई.ई. 2023 के रिजल्ट में स्कूल के पांच बच्चों ने टॉप किया है। परीक्षा में कुल 55 छात्र शामिल हुए, जिनमें से 40 छात्र जे.ई.ई. एड्वांस के लिए योग्यता प्राप्त की हैं।

(1) लाड जयराज - 99.18 परसेंटाइल

(2) दयाल आदित्य - 99.14 परसेंटाइल

(3) तीर्थ कनानी - 98.47 परसेंटाइल

(4) जेठानी विनीत - 98.04 परसेंटाइल

(5) प्रजापति पॉलोमी - 97.48 परसेंटाइल

(6) जरीवाला महेंक - 94.25 परसेंटाइल

विद्यालय परिवार की ओर से विद्यालय प्रशासक दिनेशभाई गोंदलिया ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

दी रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों ने JEE (MAINS-2 ND PHASE) परीक्षा में अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की

सूरत ।

सूरत के जहांगीराबाद स्थित धी रेडियंट इंटरनेशनल स्कूल के छात्र 12वीं साइंस जेईई (मेन्स-2 एनडी फेज) परीक्षा में शानदार प्रदर्शन किया और बेहतरीन नतीजे हासिल किए। स्कूल के 6 विद्यार्थियों ने बेहतरीन परिणाम लाकर स्कूल का नाम रौशन किया है। उन में से

1) जिवानी हीर 95.39 PR के साथ पहले स्थान पर रहीं

2) बसंते मनीषकुमार 95.25 PRके साथ दूसरे स्थान पर हैं

3) गाबानी जानिलकुमार 94.73 PRके साथ तीसरे स्थान पर

4) मोरडीया तिलक 94.63 PRके साथ चौथे स्थान पर

5) नालोला पार्थ और वारिया यश 90.89 PR के साथ पांचवें स्थान पर रहे और अपने माता-

पिता को गौरवान्वित किया।

स्कूल के ए ग्रुप के 48 छात्रों ने इस परीक्षा में भाग लिया और सफल हुए जिसमें इन बच्चों का उद्देश्य अगली जेईई (एडवांस) की तैयारी करना और भारत के शीर्ष आईआईटी में प्रवेश प्राप्त करना है। इसके लिए स्कूल के प्राचार्य श्री तृशार परमार और डॉ. विरल एम. नानावटी ने जेईई (एडवांस) क्वालीफाई करने वाले छात्रों के लिए विशेष जेईई (एडवांस) कक्षाएं शुरू की हैं।

इस अभूतपूर्व उपलब्धि के लिए स्कूल के विज्ञान शिक्षकों की टीम का अथक प्रयास एक बड़ी उपलब्धि थी और स्कूल ने पिछले सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए उसके लिए स्कूल के प्रबंध ट्रस्टी किशनभाई मांगूकिया, निदेशक आशीष वाघानी और स्कूल के प्राचार्य ने छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को बधाई दी है और छात्रों को जीवन में और भी कई उपलब्धियां हासिल करने की प्रेरणा मिलती है।

केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह द्वारा विश्व का पहला नैनो डीएपी(तरल) उर्वरक राष्ट्र को समर्पित

सूरत भूमि, सूरत। कृषि उत्पादकता तथा किसानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से माननीय केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने आज विश्व के पहले नैनो डीएपी (तरल) उर्वरक का लोकार्पण किया। प्रधानमंत्री के सहकार से समृद्धि और आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। माननीय मंत्री जी ने इफको सदन में आयोजित एक समारोह में नैनो डीएपी (तरल) राष्ट्र को समर्पित किया, जिसे भारत व विदेश में करोड़ों किसानों और सदस्य सहकारी समितियों ने ऑनलाइन देखा।

इफको ने नैनो डीएपी के उत्पादन के लिए गुजरात में कलोल, कांडला और उड़ीसा में पारादीप में विनिर्माण इकाइयों की स्थापना की है। कलोल संयंत्र में उत्पादन पहले ही शुरू हो चुका है। इस वर्ष नैनो डीएपी के 5 करोड़ बोतलों का उत्पादन किया जाएगा जो 25 लाख टन डीएपी के बराबर होगा। आशा है कि वित्त वर्ष 2025-26 तक इफको के तीनों नैनो डीएपी संयंत्रों से नैनो डीएपी की 18 करोड़ बोतलों का उत्पादन किया जाएगा।

नैनो डीएपी (तरल) नाइट्रोजन और फास्फोरस का उत्तम स्रोत है, जो पौधों में इन पोषक तत्वों की कमी को दूर करता है। उर्वरक क्षेत्र की विश्व की सबसे बड़ी सहकारी संस्था इंडियन फारमर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव लिमिटेड (इफको) द्वारा विकसित तरल उर्वरक नैनो डाय-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) को कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा उर्वरक नियंत्रण आदेश के तहत 2 मार्च, 2023 को अधिसूचित किया गया है। इफको को भारत में नैनो डीएपी (तरल) के उत्पादन की अनुमति देने के लिए राजपत्र अधिसूचना जारी की गई थी। यह जैविक रूप से सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ ही अवशेष मुक्त हरित कृषि के लिए उपयुक्त है।

इस अवसर पर दिये अपने उद्बोधन में श्री अमित शाह, माननीय केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा , "सफल सहकारी समितियां अपने ढांचे से बाहर निकलते हुए अनुसंधान और नए नए क्षेत्रों में पदार्पण की दृष्टि से इफको आज सभी सहकारी समितियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना है। इफको के द्वारा नैनो डीएपी (तरल)का लॉन्च फ़र्टिलाइज़र के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण शुरुआत है। करोड़ों केमिकल फर्टिलाइजर युक्त भूमि भारतीयों के स्वास्थ्य के लिए खतरा बनी हुई है। आज लॉन्च हुए नैनो डीएपी (तरल) न केवल भूमि के संरक्षण में बड़ा योगदान देगा अपितु पौधे पर छिड़काव के माध्यम से उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा दोनों को बढ़ाएगा।"कम ही पता था कि यह हमारे लिए इतना महत्वपूर्ण हिस्सा बन जाएगा और कुछ ही महीनों के इस अथक परिश्रम के बाद, मुझे फोर्स IX का पहला फ्लैगशिप स्टोर लॉन्च करने पर बेहद गर्व है, इसके साथ ही मेरा मानना है कि यह केवल एक शॉपिंग एक्सपीरियंस न होकर लाइफ स्टाइल एक्सपीरियंस है। मुझे पूरी आशा है कि फोर्स ढ्ढ्र का यह फ्लैगशिप स्टोर हमारे पेट्रोन्स को प्रोडक्ट और रिटेल एक्सपीरियंस के माध्यम से मेरे लाइफस्टाइल की एक छोटी सी झलक प्रदान करेगा।"

बेस्ट एग्रोलाइफ ने गुजरात में दो एग्रो-रिटेलर मीट की मेजबानी की

भारत की अग्रणी एग्रोकेमिकल्स कंपनी बेस्ट एग्रोलाइफ लिमिटेड (बीएएल) ने हाल ही में गुजरात के धोराजी और जूनागढ़ जिले में दो सफल एग्रो-रिटेलर मीटिंग्स का आयोजन किया। बैठक में कई डीलर शामिल हुए। राज्य में अपनी विकास कार्ययोजना पेश करने के अलावा, कंपनी ने किसानों को कृषि उपज बढ़ाने में मदद करने के लिए सिटीजन, घोटू, प्रोपेक्यू , ट्राइकलर और अवदान ++ जैसे नए उत्पाद भी पेश किए। इसके अलावा कंपनी ने अपनी "ट्रायो स्कीम" और खरीफ मौसम-केंद्रित फसल समाधान भी इस मीटिंग में प्रस्तुत किए, जिनका डीलरों ने उत्साहपूर्वक स्वागत किया।

बेस्ट एग्रोलाइफ लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक, राजन अलावधी ने कहा, "धोराजी और जूनागढ़ क्षेत्र में गुजरात में रिटेलर्स मीटिंग्स को सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए हमारी गुजरात टीम बधाई की पात्र है। इन बैठकों से हमें अपने नवीनतम उत्पादों को पेश करने और राज्य में अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए अपनी कार्ययोजना पेश करने का अवसर मिला है। बेस्ट एग्रोलाइफ अपने ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता वाले कृषि समाधान प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारा मानना है कि हमारे नए उत्पाद और फसल समाधान कृषि उपज बढ़ाने और किसानों के जीवन को बेहतर बनाने में मदद करेंगे।"

धोराजी एग्रो रिटेलर मीट का आयोजन सीनियर रीजनल मैनेजर राहुल देसाई, मार्केटिंग मैनेजर हीरालकुमार दोमड़िया , टेरिटरी मैनेजर दिव्येश, संजय पगदार, जयेश सोलंकी, सैलेश परमार और किसान एग्रो सेंटर के डिस्ट्रीब्यूटर्स-धोराजी जिगर और हितेश ने किया। जूनागढ़ रिटेलर्स मीटिंग का आयोजन सीनियर रीजनल मैनेजर राहुल देसाई, जोनल मैनेजर धर्मेंद्रसिंह गोहिल, एरिया मैनेजर मनोज देवमुरारी, टेरिटरी मैनेजर जयेश व शैलेश व पृथ्वी एग्रो सेंटर-जूनागढ़ के डिस्ट्रीब्यूटर विनुभाई व डीसी कोयानी ने किया।

गौरतलब हो कि बेस्ट एग्रोलाइफ लिमिटेड भारत की शीर्ष 15 कृषि रसायन कंपनियों में सूचीबद्ध है। यह एक शोध-आधारित कंपनी है जो फसल उत्पादकता में सुधार के लिए नवीनतम एग्रोकेमिकल फॉर्मूलेशन के ज़रिये विश्व स्तरीय और लागत प्रभावी फसल समाधान विकसित करने के लिए सुप्रसिद्ध है। वर्तमान में, बीएएल के पास गजरौला, ग्रेटर नोएडा और जम्मू और कश्मीर में अपने तीन विनिर्माण संयंत्रों के माध्यम से क्रमशः 7,000 एमटीपीए और 30,000 एमटीपीए टेक्निकल और फार्मूलेशन निर्माण क्षमता है। बीएएल के वर्तमान में भारत में 5200 से अधिक वितरक हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)